राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

स्वतंत्र प्रभात

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें.....
9511151254

@swatantraprabhatmedia @swatantramedia RNI.No. UHIN/2012/43078 (epaper.swatantraprabhat.com) @SwatantraPrabhatonline news@swatantraprabhat.com

सीतापुर से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून

सीतापुर, सोमवार, 15 सितम्बर 2025
वर्ष 14,अंक 154, पृष्ट 04, मूल्यः 01 रुपया
www.swatantraprabhat.com

गाज़ियाबाद , दिल्ली , हरियाणा , चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

स्कूल परिसर में भरे बारिश के पानी व कीचड़ के बीच पढ़ने को मजबूर छात्र..03

ग्राम पंचायत कुदरी में रेत के अवैध परिवहन का मामला- सचिव ने टीआई को की रिश्वत की पेशकश..04

मैरिज पैलेस, होटल व रिसॉर्ट धड़ल्ले से कर रहे GST चोरी! ऐसे लगाया जा रहा चूना

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

अमृतसर- जी.एस.टी. विभाग द्वारा टैक्स चोरी को रोकने के लिए तरह-तरह के प्रयास किए जा रहे हैं। इस प्रक्रिया में जी.एस.टी. और मोबाइल विंग की टीमें दिन-रात सड़कों पर होती हैं, वहीं दूसरी तरफ अभी भी कई ऐसे कारोबार हैं, जो सरकार को भारी-भरकम टैक्स का चूना लगा रहे हैं। मैरिज फंक्शन्स को लेकर जहां पर लोग शानो-शौकत बढ़ाने के लिए दिल खोलकर शादी के फंक्शन में खर्च कर देते हैं, लेकिन इस पर विभागीय तौर पर कोई ध्यान नहीं गया कि ऐसे भव्य फंक्शन्स पर खर्च किए धन का टैक्स कहां जाता है? जानकारी के मुताबिक महानगर में कई ऐसे होटल, मैरिज पैलेस और रिजॉर्ट हैं, जो सरकार को टैक्स का भारी नुक्सान पहुंचा रहे हैं। इस मामले में जानकार लोगों और स्वयं प्रमाणित तथ्यों की माने तो इन पैलेसों और रिजॉर्ट्स में बड़ी संख्या में ऐसे विवाहिक और रिसैप्शन के बड़े फंक्शन होते हैं, जिसमें कैटरिंग के बावजूद सरकार को कोई टैक्स नहीं दिया जाता। बताया जाता है कि किसी भी आयोजित फंक्शंस हेतु जब मेजबान बुकिंग करवाता है तो रिसोर्ट्स अथवा अन्य संस्थानों के मालिक सिर्फ पैलेस का किराया अपने रिकॉर्ड में दिखाते हैं। वहीं प्रति व्यक्ति कैटरिंग के संबंध में न तो कोई जी.एस.टी. विभाग को जानकारी दी जाती है न टैक्स! अधिकतर यह लोग अपने रिकॉर्ड में कैटरिंग का जिक्र ही नहीं करते। उधर, दूसरी तरफ जानकार लोग बताते हैं कि इन फंक्शंस में परोसी जाने वाली शराब के लिए पैलेस, होटल व रिसॉर्ट की अतिरिक्त फीस भी दी जाती है और संबंधित ठेकेदार से निर्धारित रेट पर खरीदी जाती है। इसके उपरांत फंक्शन स्थल पर शराब के बड़े-बड़े स्टॉल लगाए जाते हैं, जहां पर एक दर्जन के करीब स्टाफ के लोग 'पैग-सर्विस' देने में लगे होते हैं। अधिकतर फंक्शन समाप्त होने के बाद कैटरिंग का कोई रिकॉर्ड नहीं होता। प्रश्न यह है कि हजारों की संख्या में आए मेजबान/मेहमान क्या बिना कुछ खाना खाए ही शराब पिए चले जाते हैं? यह सिस्टम आज नया नहीं दशकों से चला रहा है। इस संबंध में आबकारी विभाग से पूछने पर उनका कहना है कि यह काम जी.एस.टी. विभाग का है!, लेकिन अनुमान लगाया जाता है कि जी.एस.टी. विभाग को शायद इसका पता ही नहीं है कि, टैक्स चोरी कैसे हो रही है? क्योंकि लंबे समय ऐसे किसी आयोजित फंक्शन के संबंध में जी.एस.टी. विभाग द्वारा चेकिंग की कोई सूचना नहीं है!

सबसे अधिक खर्चीली होती है कैटरिंग

विवाह शादी के फंक्शन में सबसे अधिक खर्चीला कार्यक्रम कैटरिंग का ही होता है, जिसमें परिवार की पूरी जिंदगी की कमाई का एक औसत हिस्सा खर्च हो जाता है। अधिकतर फंक्शंस में गिनती 5 से 700 के करीब होती है और बड़े फंक्शंस में 1 हजार से लेकर अनलिमिटेड मेहमान भी होते हैं। उधर, प्रति व्यक्ति प्लेट 1000 से शुरू होकर 3000 रुपए तक होती है। कई फंक्शन्स में कैटरिंग प्रति-प्लेट और कई फंक्शन्स में ज्यादा गिनती होने पर भारी भरकम ठेका भी हो जाता है। यदि सरकार कोई स्क्रुटनिंग टीम गठित करके इसका आंकलन करे तो पिछले समय में हजारों की संख्या में ऐसे फंक्शन होंगे जिनमें सरकार को कोई टैक्स नहीं मिला।

बुकिंग के समय पैलेस रिसॉर्ट के प्रबंधक ही करते हैं डील

बताना जरूरी है कि जिस समय मेजबान अपना फंक्शन अरेंज करने के लिए किसी पैलेस, होटल अथवा रिजॉर्ट्स के पास एडवांस बुकिंग करने के लिए जाता है तो सभी डीलिंग प्रबंधक खुद करते हैं और कैटरिंग का रेट भी वही तय करते हैं। बाद में कैटरिंग को किताबों से दूर रखा जाता है और सरकार का टैक्स हवा में उड़ जाता है।

फाइनैंशियल कमिश्नर टैक्सेशन ने भी दिए हैं विभागों को निर्देश

बताया जाता है कि बीते दिनों में जी.एस.टी. विभाग से हुई मीटिंग के दौरान फाइनैंशियल कमिश्नर टैक्सेशन पंजाब (एफ.सी.टी) ने जी.एस.टी. अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि आने वाले समय में विवाह शादी का सीजन है, इसलिए मैरिज फंक्शन अरेंज करने वाले होटल पैलेस और रिसॉर्ट्स पर विशेष ध्यान दिया जाए, ताकि कोई टैक्स चोरी न कर पाए।

शराब की खप्त से हो जाती है मेहमानों की गिनती

उदाहरण के तौर पर यदि मेजबान विवाह शादी में 10 पेटियां शराब की खप्त कर लेता है तो उसका सीधा अर्थ है कि 700 के करीब लोगों ने शराब पी है। उधर, यदि कुल मेहमानों की बात की जाए तो मात्र 25 फ़ीसदी लोग ही शराब पीते हैं। कुल मेहमानों में क्योंकि एक तिहाई गिनती बच्चों और एक तिहाई महिलाओं की होती है, बाकी बचे एक तिहाई पुरुषों में यदि अधिक से अधिक मान लिया जाए तो 25 प्रतिशत कुल गिनती में मेहमान शराब पीते हैं। इसका प्रमाण है कि 10 पेटियां शराब की खपत वाले फंक्शन में मेजबानों की कुल गिनती 1800 के करीब है। यदि कंबाइंड खाद्य वैरायटी में सर्विस है तो 18 प्रतिशत टैक्स लगता है। विशेषज्ञों का कहना है कि यदि फंक्शन अरेंजमेंट में कैटरिंग पर फोक्स दिया जाए तो सरकार को शराब से भी अधिक रेवेन्यू प्रतिवर्ष मिलेगा।

टैक्स चोरी पर सख्त कार्रवाई की जाएगी - डा. नवरीत सेखों

असिस्टैंट कमिश्नर जी.एस.टी. अमृतसर डा. नवरीत कौर सेखों ने कहा है किसी भी तरह से हो रही टैक्स चोरी को रोका जाएगा और इस प्रकार के लोगों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। यह गम्भीर विषय है कि एक ही फंक्शन में लाखों रुपए की टैक्स चोरी हो रही है, इसके लिए विशेष टीमें गठित की जाएंगी।

भारत-पाकिस्तान मैच के खिलाफ दिल्ली में हंगामा, कनॉट प्लेस में हुआ जोरदार प्रदर्शन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

राजधानी दिल्ली के कनॉट प्लेस में स्थित एक बार में भारत और पाकिस्तान के बीच चल रहे क्रिकेट मैच के प्रसारण के खिलाफ जोरदार विरोध प्रदर्शन हुआ। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि जब देश आतंकवाद और सीमा पर शहीदों के मुद्दों से जूझ रहा है, तब कुछ व्यापारी सिर्फ मुनाफे के लिए मैच दिखा रहे हैं।

'इंकलाब जिंदाबाद 'के नारे और तख्तियां

माई स्क्वायर बार के बाहर हुए इस विरोध प्रदर्शन में लोग हाथों में तख्तियां और तिरंगा लेकर 'इंकलाब जिंदाबाद 'के नारे लगा रहे थे। प्रदर्शनकारी इस मुद्दे पर सरकार और व्यापारियों के रवैये पर सवाल उठा रहे थे। इस प्रदर्शन की तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गए हैं, जिससे यह

मामला तेजी से फैल गया।

सौरभ भारद्वाज ने साधा निशाना

आम आदमी पार्टी (AAP) के नेता और दिल्ली के पूर्व मंत्री सौरभ भारद्वाज ने भी इस घटना का एक वीडियो 'एक्स '(पूर्व में ट्विटर) पर शेयर किया। उन्होंने लिखा, "आज दिल्ली के कनॉट प्लेस में माई स्क्वायर बार में मैच का विरोध चल रहा है। भारत-पाकिस्तान मैच दिखाना और पैसा कमाना। जो पहलगाम में मरे, देश के बॉर्डर पर शहीद हुए, उनकी फिक्र ना सरकार को है, ना कुछ व्यापारियों को। इंकलाब जिंदाबाद।"

'मुनाफा कमाना अनैतिक '

प्रदर्शनकारियों का कहना है कि जिस समय देश में आतंकवाद और सैनिकों की शहादत का मुद्दा चल रहा है, उस समय भारत-पाकिस्तान मैच का प्रसारण कर मुनाफा कमाना अनैतिक है। उन्होंने सरकार से ऐसे आयोजनों पर रोक लगाने की मांग की और शहीदों के परिवारों के लिए न्याय की अपील भी की। कांग्रेस नेता अभिषेक दत्त ने भी अपने समर्थकों के साथ कैंडल मार्च निकालकर इस मैच का विरोध किया और भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) तथा पाकिस्तान के खिलाफ नारेबाजी की। विरोध प्रदर्शन के बाद इलाके में पुलिस बल तैनात कर दिया गया, हालांकि कोई अप्रिय घटना नहीं हुई। इस घटना ने एक बार फिर भारत-पाकिस्तान के बीच संबंधों और व्यापारिक हितों को लेकर बहस छेड़ दी है।

वक्फ संशोधन कानून पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले का मौलाना खालिद रशीद फरंगी महली ने किया स्वागत, कहा- फाइनल जजमेंट में मुसलमानों को पूर्ण राहत होगी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ- ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड की कार्यकारी समिति के सदस्य मौलाना खालिद रशीद फरंगी महली ने वक्फ संशोधन अधिनियम 2025 को लेकर उच्चतम न्यायालय द्वारा मुस्लिम पक्ष की कुछ दलीलों को स्वीकार करने के अंतरिम आदेश का स्वागत करते हुये कहा कि उन्हे उम्मीद है कि इस मामले पर पूरा फैसला आने पर मुसलमानो को पूर्ण राहत हासिल होगी।

हमे उम्मीद थी कि पूरे एक्ट पर स्टे दिया जायेगा

मौलाना ने सोमवार को वक्फ संशोधन अधिनियम पर उच्चतम न्यायालय के अंतरिम आदेश पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुये कहा 'आज के जजमेंट में उच्चतम न्यायालय ने हमारी कुछ दलीलें स्वीकार कर उन प्रावधानो पर रोक लगायी है। हमे उम्मीद थी कि पूरे एक्ट पर स्टे दिया जायेगा मगर ऐसा नहीं हुआ है लेकिन कुछ अहम बातों पर स्टे दिया गया है जिसका हम स्वागत करते हैं। अभी पूरा फैसला आना बाकी है। हम उम्मीद करते हैं कि हमे रिलीफ हासिल होगी। '

निर्णय हमारी उम्मीदों के अनुरूप

गौरतलब है कि मुख्य न्यायाधीश बी.आर. गवई की अध्यक्षता वाली उच्चतम न्यायालय की बेंच ने स्पष्ट किया कि वक्फ संपत्तियों को लेकर कलेक्टर का निर्णय अंतिम नहीं होगा। इसके साथ ही, वक्फ संशोधन अधिनियम 2025 की उस प्रावधान पर रोक लगा दी गई है, जिसमें वक्फ बनाने के लिए किसी व्यक्ति का पांच वर्षों तक इस्लाम का अनुयायी होना अनिवार्य बताया गया था। फरंगी महली ने कहा 'फैसले में कुछ बातें हमारे अनुसार नहीं हैं, लेकिन कई निर्णय हमारी उम्मीदों के अनुरूप हैं। हमें विश्वास है कि अंतिम निर्णय में भी हमारी दलीलों को गंभीरतापूर्वक सुना जाएगा। '

कुछ प्रावधानों पर रोक रहेगी जारी

उच्चतम न्यायालय ने वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 पर पूरी तरह से रोक लगाने से सोमवार को इंकार कर दिया लेकिन कहा कि अंतिम निर्णय आने तक इसके कुछ प्रावधानों पर रोक रहेगी। मुख्य न्यायाधीश बी आर गवई और न्यायमूर्ति ऑगस्टाइन जॉर्ज मसीह की पीठ ने संबंधित कानून के संशोधन की वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर अंतरिम आदेश पारित किया।

पांच साल तक इस्लाम का पालन करने के मानदंड पर रोक

पीठ ने 22 मई को उस कानून के विभिन्न प्रावधानों पर रोक लगाने की याचिकाओं पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। शीर्ष अदालत ने वक्फ संशोधन अधिनियम, 2025 के कुछ प्रावधानों पर के क्रियान्वयन पर रोक लगाते हुए वक्फ के लिए संपत्ति समर्पित करने के लिए पांच साल तक इस्लाम का पालन करने के मानदंड के कार्यान्वयन पर रोक लगा दी।

बिना नियम के यह प्रावधान मनमाने ढंग से सत्ता प्रयोग करेगी

शीर्ष अदालत ने कहा कि किसी व्यक्ति को वक्फ के रूप में संपत्ति समर्पित करने से पहले पांच वर्षों तक मुस्लिम होना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि धारा 3(आर), इस अनिवार्यता पर तब तक रोक रहेगी जब तक कि राज्य (सरकार) द्वारा यह जांचने के लिए नियम नहीं बनाए जाते कि व्यक्ति मुस्लिम है या नहीं। न्यायालय ने यह भी कहा कि ऐसे किसी नियम/तंत्र के बिना, यह प्रावधान मनमाने ढंग से सत्ता का प्रयोग करेगा।

संक्षिप्त ख़बरें

DGP अनुराग गुप्ता को न तो UPSC और न ही भारत सरकार मान्यता देती है-बाबूलाल मरांडी

रांची- भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने झारखंड की हेमंत सोरेन सरकार पर पुलिस प्रशासन को बंधक बनाने का गंभीर आरोप लगाया है। मरांडी ने कहा कि सत्ता की कुर्सी बचाने और भ्रष्टाचार को ढकने के लिए सरकार ने संवैधानिक व्यवस्थाओं की धज्जियां उड़ाई हैं। मरांडी ने कहा कि राज्य सरकार ने जबरन रिटायर अधिकारी अनुराग गुप्ता को डीजीपी के पद पर बैठा रखा है, जबकि न तो यूपीएससी और न ही भारत सरकार उन्हें मान्यता देती है। उन्होंने कहा कि गुप्ता सेवानिवृत्ति की आयु पार कर चुके हैं और फिलहाल सशर्त वेतन पा रहे हैं, जो न्यायालय के अंतिम आदेश पर निर्भर करेगा। मरांडी ने बताया कि 17 वरिष्ठ डीएसपी के प्रमोशन की प्रक्रिया महीनों से अटकी हुई है। यूपीएससी ने अनुराग गुप्ता को बैठक में शामिल करने से इनकार किया और इसके चलते पूरी बैठक स्थगित करनी पड़ी। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या इस तरह की मनमानी से पुलिस बल का मनोबल और कानून-व्यवस्था प्रभावित नहीं होगी? मरांडी ने हेमंत सरकार और भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि एसीबी मुख्यमंत्री के दबाव में आकर उनके 'काले कारनामों 'को दबाने में जुटा है। हाल ही में हुई घटनाओं ने साबित कर दिया है कि पूरी मशीनरी को भ्रष्टाचार के बचाव में झोंक दिया गया है। मरांडी ने कहा कि हेमंत सरकार ने डीजीपी की कुर्सी को सुरक्षा कवच बना लिया है ताकि उनके काले कारनामे सामने न आएं और वे जेल से बच सकें। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री को समझना चाहिए कि डीजीपी कोई खिलौना नहीं, बल्कि संवैधानिक पद है।उन्होंने चेतावनी दी कि जनता और संविधान दोनों मिलकर मुख्यमंत्री की इस मनमानी का जवाब देंगे।

सत्ता में आए तो एंबुलेंस कर्मियों का मानदेय 320 से 540 रुपये करेंगे, तेजस्वी का नया चुनावी वादा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव ने रविवार को कहा कि प्रदेश में यदि उनकी सरकार बनती है तो चिकित्सा क्षेत्र में आमूलचूल सुधार किये जाएंगे और 102 एंबुलेंस सेवा का मानदेय 320 रुपये से बढ़ाकर 540 रुपया किया जाएगा, साथ में महंगाई दर के अनुसार इनके मानदेय को बढाया जायेगा। तेजस्वी यादव ने डॉक्टरों के साथ एक संवाद कार्यक्रम में भाग लिया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता राजद चिकित्सा प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष डॉ मोहित कुमार ने तथा संचालन डॉक्टर अशोक कुमार ने की। इस अवसर पर नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने कहा कि डॉक्टर्स, फिजियोथैरेपिस्ट सहित

चिकित्सा क्षेत्र से जुड़े सभी लोगों के लिए सरकार बेहतर सुविधाएँ ले कर आएगी। उन्होंने कहा कि हमने मिशन 60 और मिशन बुनियाद के तहत स्वास्थ्य व्यवस्था को सुधारने की दिशा में काम किया और स्पष्ट रूप से डॉक्टर्स से कहा कि मरीज और स्वास्थ्य व्यवस्था में यदि सुधार नहीं हुआ तो वैसे डॉक्टर्स के ऊपर कारवाई होगी जो घर में बैठे रहते थे। इसके साथ ही हमारी सरकार ने मिशन 60 के तहत बेहतर स्वास्थ्य व्यवस्था उपलब्ध कराने के साथ अस्पतालों में बिल्डिंग और बेड की व्यवस्था करवाई थी। इस कार्यक्रम में राजद के राष्ट्रीय प्रधान महासचिव अब्दुल बारी सिद्दीकी,पूर्व केंद्रीय मंत्री जयप्रकाश नारायण यादव, राज्यसभा सांसद संजय यादव, विधायक डॉ मुकेश रौशन ,मशहूर सर्जन डॉक्टर एम ए हई, राजद के प्रदेश प्रवक्ता एजाज अहमद ,विनोद श्रीवास्तव ,सारिका पासवान, डॉ अशोक यादव, डॉ कुंदन सुमन,डॉ अमरनाथ ,डॉ कमर हाशमी,डॉ अजीत कुमार, डॉ चंदन कुमार चौधरी, डॉ कपिल यादव, डॉ सुनील कुमार, डॉ राजीव सुराना, डॉक्टर अमित कुमार गौरव, डॉ विनोद कुमार सहित अन्य गणमान्य नेता उपस्थित थे।

बद्रीनाथ मंदिर परिसर में भिक्षावृत्ति पर लगी रोक, आदेश जारी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

चमोली- उत्तराखंड के बद्रीनाथ मन्दिर परिसर में भिक्षा वृत्ति पर रोक लगाई गई है। बद्रीनाथ-केदारनाथ मन्दिर समिति के मुख्य कार्याधिकारी और शासन की ओर से कार्य पालक नियुक्त विजय प्रसाद थपलियाल ने बदरीनाथ मन्दिर एवं मन्दिर परिसर बाह्य सिंहद्वार परिसर, मंदिर मार्ग, दर्शन पंक्ति, अलकनंदा घाट, तप्तकुंड क्षेत्र का स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि मन्दिर परिसर में कतिपय साधु भेषधारी तीर्थयात्रियों से दान-दक्षिणा ले रहे हैं तथा भिक्षा मांग रहे है जिससे मन्दिर समिति की छवि धूमिल हो रही है। उन्होंने मंदिर परिसर में भिक्षा वृत्ति पर तत्काल रोक लगाने के निर्देश दिये।

अधिकारियों कर्मचारियों की समिति का किया गठन

इस संबंध में कार्यपालक मजिस्ट्रेट के निर्देश पर बीकेटीसी अधिकारियों कर्मचारियों की समिति का गठन किया गया है जो कि इस बावत कारवाई करेगी। इस बीच श्री थपलियाल ने रविवार को बदरीनाथ

मन्दिर एवं मन्दिर परिसर के बाह्य क्षेत्र का भी स्थलीय निरीक्षण किया । उन्होंने बताया कि परिसर के बाहर प्रसाद की दुकानों के नाम पर अतिक्रमण किया जा रहा है जिसे हटाया जाना आवश्यक है। इस कारवाई समिति में मन्दिर अधिकारी-राजेन्द्र सिंह चौहान,अध्यक्ष ,प्रधान सहायक- राजेन्द्र सेमवाल तथा मुख्य सहायक जगमोहन बर्त्वाल को सदस्य नामित किया गया है।

साधू वेश में मन्दिर परिसर में अवैध रूप से भिक्षावृत्ति कर लोग

बदरीनाथ केदारनाथ मंदिर समिति के मीडिया प्रभारी डाक्टर हरीश गौड़ ने जानकारी देते हुए बताया मुख्य कार्याधिकारी द्वारा गठित समिति समय-समय पर मन्दिर एवं मन्दिर परिसर का निरीक्षण कर ऐसे लोग जो साधू वेश में मन्दिर परिसर में अवैध रूप से भिक्षावृत्ति कर रहे हैं। उन्हें मंदिर के दर्शन उपरान्त मन्दिर परिसर से बाहर करना सुनिश्चित करेगी। निरीक्षण के अवसर पर प्रभारी अधिकारी विपिन तिवारी, थाना प्रभारी नवनीत भंडारी, अवर अभियंता गिरीश रावत सहित अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहे। उन्होंने बताया भिक्षावृत्ति नियंत्रण तथा अतिक्रमण हटाने हेतु बनी कार्रवाई समितियां बदरीनाथ मन्दिर परिसर में भिक्षावृति नियंत्रण तथा मंदिर बाह्य क्षेत्र सहित मंदिर मार्ग से अतिक्रमण को हटाने संबंधित आख्या से कार्यपालक मजिस्ट्रेट/ बीकेटीसी मुख्य कार्याधिकारी को अवगत करायेगी।

पत्नी का अफेयर बना मौत की वजह- प्रेमी संग मिलकर दबाया गला, फिर शव को घसीटते हुए 25 K M दूर फेंका

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

उत्तर प्रदेश के महराजगंज जिले से रिश्तों को शर्मसार कर देने वाला और दिल दहला देने वाला एक मामला सामने आया है। जहां एक पत्नी ने प्रेमी के साथ मिलकर अपने ही पति की निर्दयता से हत्या कर दी। इस वारदात की कहानी जानकर इलाके के लोग भी सन्न हैं। यह पूरी घटना कोतवाली ठूठीबारी थाना क्षेत्र के राजाबारी गांव की है।

कैसे बना प्रेम विवाह, फिर टूटा रिश्ता

मिली जानकारी के मुताबिक, नागेश्वर रौनियार (26) नाम के युवक ने करीब 6 साल पहले नेपाल की नेहा (22) से प्रेम विवाह किया था। दोनों की शादीशुदा जिंदगी काफी अच्छी चल रही थी। उनका एक प्यारा बेटा आदविक भी है। लेकिन एक साल पहले नागेश्वर किसी गंभीर मामले में फंसकर जेल चला गया। इसी बीच उसकी गैरमौजूदगी में उसके ही करीबी दोस्त जितेंद्र का उसकी पत्नी नेहा से नजदीकी रिश्ता बन गया।

जेल से लौटे पति को मिला धोखा

जब नागेश्वर जेल से बाहर आया, तो उसे पत्नी और दोस्त के रिश्ते की जानकारी मिली। उसने अपनी पत्नी को समझाने की बहुत कोशिश की कि वह घर लौट आए, लेकिन नेहा अब जितेंद्र के साथ रहना चाहती थी। नेहा अपने बेटे को भी साथ ले गई और नागेश्वर को बिल्कुल अकेला छोड़ दिया।

बनाई गई खतरनाक साजिश

लगातार हो रहे झगड़ों और दबाव से परेशान होकर नेहा और जितेंद्र ने नागेश्वर को मारने की योजना बनाई। 12 सितंबर की रात, नेहा ने नागेश्वर को मिलने के लिए बिस्मिल नगर बुलाया। उसने नागेश्वर को शराब पिलाई, खुद भी बीयर पी। जब वह नशे में गहरी नींद में चला गया, तो नेहा ने उसके पैर दुपट्टे से बांध दिए। फिर नेहा ने जितेंद्र को बुलाया और दोनों ने मिलकर नागेश्वर का गला दबाया। जितेंद्र ने उस पर वार भी किए और नागेश्वर तड़प-तड़प कर मर गया।

शव को फेंकने की खौफनाक कोशिश

हत्या के बाद, किसी को शक न हो इसलिए उन्होंने नागेश्वर के कपड़े उतारे, शव को नहलाया और फिर शव को बाइक पर लादा, उनके साथ उनका बेटा भी बाइक पर था। वे शव को लेकर 25 किलोमीटर दूर एक सुनसान जगह - निचलौल-सिंदुरिया मार्ग पर ले गए और वहां फेंक दिया। शव सड़क पर घिसटता रहा, जिससे उसके शरीर पर और भी चोटें आई।

पुलिस की सतर्कता से पकड़े गए आरोपी

हत्या के बाद, नेहा और जितेंद्र मुंबई भागने की फिराक में थे। वे गोरखपुर से ट्रेन पकड़ने जा रहे थे। लेकिन नागेश्वर के पिता ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई और कुछ जानकारी दी। पुलिस ने मोबाइल लोकेशन ट्रैकिंग की मदद से दोनों को परतावल के पास से गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में दोनों ने अपना जुर्म कबूल कर लिया है।

पुलिस जांच जारी

पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ हत्या और साजिश रचने के तहत केस दर्ज कर लिया है। दोनों को जेल भेजा जा चुका है और आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है।

यह मामला क्यों है चौंकाने वाला?

एक पत्नी ने अपने ही पति को जो कभी उससे प्यार करता था, बेरहमी से मौत के घाट उतार दिया। इसके साथ ही, अपने ही बेटे के सामने यह सब करते हुए उन्होंने इंसानियत की सारी हदें पार कर दीं। यह मामला रिश्तों के गिरते मूल्यों और अंधे प्यार की भयानक मिसाल बन गया है।

घातक होगा नेपाल को भारत में दोहराने का मुंगेरी सपना

हाल ही में भारत के पड़ोसी देश नेपाल में जिस तरह जेन जी युवा वर्ग ने सड़कों पर उतर कर ओली सरकार को उखाड़ दिया इस से पहले श्री लंका और बांग्लादेश में भी इसी तरह के विरोध प्रदर्शनों के उग्र और अनियंत्रित होने पर सत्ता परिवर्तन की घटनाएं सामने आ चुकी है। इन घटनाक्रमों को देख कर भारत में भी पिछले 11 साल से सत्ता पर काबिज दक्षिणपंथी राजनीति के धुर विरोधी जो तमाम तरह के राफेल से लेकर वोट चोरी के आरोप लगा कर आम जन का विश्वास पाने मे अक्षम बने है अब देख पांच सोशल मीडिया पर भारत में भी इस तरह का युवा आक्रोश पैदा कर मौजूदा मोदी सरकार को मुसीबत में डालने का सपना संजोने लगे हैं। इसी कड़ी में पिछले एक सप्ताह से नेपाल के घटना चक्र के बाद कांग्रेस समेत विपक्षी दलों के सोशल मीडिया हैंडलर्स इसी तरह की युवा पीढ़ी को बेरोजगारी भ्रष्टाचार सरकारी नोकरी की कमी जैसे मुद्दों पर भड़काऊ पोस्ट कर रहे हैं हालांकि माननीय सुप्रीम कोर्ट ने भी हाल ही में इन घटनाओं का जिक्र करते हुए भारतीय संवैधानिक व लोकतांत्रिक व्यवस्था की मजबूती की सराहना की है तथापि कुछ अतिरेकी लोगों को लगता है कि वह भारत में भी इस तरह की अराजकता के जरिए मोदी सरकार को मुसीबत में डाल सकते है। आपको बता दें कि पिछले कुछ वर्षों में विश्व राजनीति में एक समान प्रवृत्ति साफ देखने को मिल रही है कि जिन देशों में लोगों को अपनी सरकार के प्रति नाराजगी, गुस्सा और असंतोष है, उस देश की जनता सड़कों पर उतर कर ऐसा भयावह विरोध प्रदर्शन कर रही है कि सत्ता पर काबिज नेताओं को अपनी गद्दी छोड़नी पड़ रही है। दक्षिण एशिया से लेकर यूरोप तक यह असंतोष सामने आ चुका है, जो केवल नाराजगी तक सीमित नहीं रहा, बल्कि सत्ता परिवर्तन और संवैधानिक संकट का कारण भी बना। श्रीलंका में आर्थिक संकट और भ्रष्टाचार के खिलाफ जनता ने राजपक्षे परिवार की सरकार को उखाड़ फेंका। बांग्लादेश में भी लगातार प्रदर्शनों के दबाव में सत्ता को चुनौतियों का सामना करना पड़ा। अब नेपाल और फ्रांस, दो बिल्कुल अलग भौगोलिक सांस्कृतिक परिदृश्य वाले देशों में भी यही कहानी दोहराई जा रही है। दोनों देशों की परिस्थितियां अलग हैं, लेकिन मूल भाव एक ही है, युवाओं और आम नागरिकों का आक्रोश सत्ता के गलियारों को हिला रहा है। नेपाल में युवा पीढ़ी यानि जेन जेड ने सत्ता परिवर्तन ही कर दिया है। युवाओं का आंदोलन शुरुआत में सोशल मीडिया पर बैन से हुई थी, लेकिन यह सिर्फ चिंगारी साबित हुआ। असली ईंधन था दशकों से जमा हुआ गुस्सा, युवाओं की हताशा और राजनीतिक वर्ग का अवसरवाद। यही कारण है कि सोशल मीडिया के बैन को लेकर शुरू हुआ आंदोलन संवैधानिक संकट में बदल गया और सरकार गिरने का कारण बना। यहां तक कि मंत्रियों के बाद प्रधानमंत्री के.पी. ओली तक को इस्तीफा देने को मजबूर होना पड़ा। उग्र युवाओं ने संसद, सुप्रीम कोर्ट, मंत्रियों के आवास व कुछ मीडिया हाउस को भी निशाना बनाया। भले ही तात्कालिक रूप से सोशल मीडिया पर बैन को हिंसा की वजह बताया जा रहा हो, लेकिन यह प्रतिक्रिया तात्कालिक नहीं थी। युवाओं की दशकों की हताशा और राजनीतिक कदाचार, काहिली व निरंकुशता के चलते गुस्सा नेपाल की सड़?कों पर लावा बनकर फूटा है। नेपाल सरकार की सख्ती से आंदोलनकारियों के दमन ने आग में घी का काम किया। एक रिपोर्ट के अनुसार नेपाल की राजनीति में अवसरवाद व राजनीतिक अस्थिरता ने भी सरकारों के प्रति युवाओं के आक्रोश को बढ़ाया है। विडंबना देखिए कि नेपाल में बीते 17 वर्षों में 14 सरकारें बदल चुकी हैं। स्थायित्व और दूरदृष्टि के अभाव में यह देश लगातार राजनीतिक अस्थिरता का शिकार रहा। भ्रष्टाचार, भाई-भतीजावाद और नेताओं की विलासिता के जीवन ने युवाओं को गहराई से आहत किया। जब जेन जेड पीढ़ी ने सोशल मीडिया पर मंत्रियों और शीर्ष नेताओं की संतानों की ऐशो-आराम भरी जीवनशैली का पर्दाफाश किया, तो सरकार को अपनी सत्ता हिलती दिखी। सरकार ने अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को कुचलने की नीयत से सोशल मीडिया पर प्रतिबंध लगा दिया। लेकिन यह कदम 'आग में घी डालने' जैसा साबित हुआ। देखते-देखते आंदोलन ने हिंसक रूप ले लिया। संसद, सर्वोच्च न्यायालय, मंत्रियों के आवास और मीडिया संस्थानों तक को भीड़ ने निशाना बनाया। 30 से अधिक युवाओं की मौत ने स्थिति को और भी संवेदनशील बना दिया। प्रधानमंत्री के.पी. ओली समेत कई मंत्रियों का इस्तीफा इस बात का संकेत है कि जनता का आक्रोश अब नेताओं की कुर्सियों से बड़ा हो चुका है। दरअसल 1996 में राजशाही के खिलाफ 'सशस्त्र आंदोलन शुरू हुआ। फिर 10 वर्षों की हिंसा और अस्थिरता के लंबे दौर से गुजरने के बाद 2006 में जन आंदोलन को अलविदा कहा। माओवादियों की सरकार बनी। दस वर्ष तक चले इस गृहयुद्ध में 16,000 से अधिक लोग मारे गए, और 2006 में शांति समझौते के साथ इसका अंत हुआ। नेपाल अब हिन्दू राष्ट्र नहीं रहा बल्कि एक गणतांत्रिक देश बन गया। नेपाल में 2008 में माओवादियों की जीत के बाद 240 साल पुरानी राजशाही खत्म हुई। लेकिन पिछले दो दशकों में भी जनता के उम्मीदों पर कोई सरकार खरी नहीं उतरी। भ्रष्टाचार, बेरोजगारी, महंगाई सहित मूलभूत विकास नहीं होने से जनता में जनाक्रोश बढ़ता ही गया, यही कारण है कि लोकतंत्र से निराशा के बीच नेपाल में राजशाही की वापसी की मांग ने फिर से जोर पकड़ा है। 2025 में काठमांडू और अन्य शहरों में हजारों लोग %राजा वापस आओ, देश बचाओ% के नारे के साथ सड़?कों पर उतरे पूर्व राजा ज्ञानेंद्र शाह, जिन्हें 2008 में सत्ता से हटाया गया था, एक बार फिर सुर्खियों में हैं। उनके समर्थकों का मानना है कि राजशाही के दौर में कम से कम स्थिरता तो थी और भ्रष्टाचार आज की तुलना में कम था। हकीकत यह है कि नेपाल दुनिया के सबसे गरीब देशों में आता है। विश्व बैंक और अन्य स्रोतों के अनुसार नेपाल दक्षिण एशिया में अफगानिस्तान के बाद दूसरा सबसे गरीब देश है। 2024 में नेपाल की प्रति व्यक्ति आय लगभग 1,381 डालर थी। 2025 में भारत की प्रति व्यक्ति आय 2,878 डालर है, जो नेपाल से दोगुनी से अधिक है। हालांकि सेना द्वारा मोर्चा संभालने के बाद नेपाल में धीरे-धीरे परिस्थिति में सुधार हो रहा है ताजा सूचना के अनुसार पूर्व सुप्रीम कोर्ट की न्यायाधीश सुशीला कार्की को नई अंतरिम प्रधानमंत्री बनाया गया है। नेपाल की तरह ही फ्रांस भी जनाक्रोश की गिरफ्त में है। वहां %ब्लॉक एवरीथिंग% नामक आंदोलन ने राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों की नींद उड़ा दी है। शुरुआत सोशल मीडिया और एन्क्रिप्टेड चैट्स से हुई, लेकिन आज यह सड़कों पर हिंसक प्रदर्शन में बदल चुका है। फ्रांस के लोगों का गुस्सा बजट कटौती, बढ़ती असमानता और सरकार की नीतियों से उपजा है। पेरिस से लेकर छोटे शहरों तक सड़कों को जाम किया जा रहा है, आगजनी और तोड़?फोड़ हो रही है। गृहमंत्री ब्रुनो रिटेलो के मुताबिक शुरुआती घंटों में ही 200 लोगों की गिरफ्तारी हुई। ट्रेनों की सेवाएं बाधित, बसें जलाई गई, यह सब दिखाता है कि जनाक्रोश किस स्तर तक पहुंच चुका है। फ्रांस में यह आक्रोश किसी एक कारण से नहीं है। यह असमानताओं के खिलाफ धीरे-धीरे पनपते गुस्से का विस्फोट है। सवाल यह है कि क्या राष्ट्रपति मैक्रों इस चुनौती का सामना कर पाएंगे, या यह आंदोलन उनकी लोकप्रियता और सत्ता को हिला देगा ? नेपाल और फ्रांस की घटनाएं यह दिखाती हैं कि कोई देश विकासशील हो या विकसित, जनता का आक्रोश तब फूटता है, जब उसे लगता है कि लोकतंत्र का यह विस्फोट किसी भी सत्ताधारी के लिए घातक साबित हो सकता है। जानकार विशेषज्ञों का मानना है कि यह समय है, जब सत्ता को अहंकार छोड़कर जनता से जुड़ना होगा अन्यथा श्रीलंका, बांग्लादेश, नेपाल और फ्रांस की तरह और भी देश राजनीतिक उथल-पुथल के शिकार हो सकते है ।भारत में भी सत्ता हासिल करने के लिए हर हथकंडे से असफल विपक्षी दलों के नेताओं द्वारा विदेशी ताकतों की अपरोक्ष मदद से विश्व राजनीति में शिखर पुरुष नरेन्द्र मोदी की सरकार को हिलाने के लिए इसी तर्ज पर कुछ खास समुदाय वर्गों युवाओं को भड़काने की कोशिश की जा सकती है सरकार को इस तरह किसी षडयंत्र से निबटने के लिए तैयार रहना होगा।

मनोज कुमार अग्रवाल

संपादकीय

सेवा और सहयोग नैतिक आचरण ही नहीं धार्मिकता भी है

पीड़ित मानवता की सेवा मानव की उदात्त भावनाओं का परिणाम है। वे भावनाएं मात्र नैतिक आचरण ही नहीं है धार्मिकता भी है क्यों कि परोपकार का भाव और देय वस्तु के प्रति निर्ममत्व का भाव आत्म भाव है। आत्म भाव में ही धर्म है। मानव के जन्म लेने के बाद जब तक वह जीवित रहता है तब तक प्रत्यक्ष और परोक्षरूप से हजारों व्यक्ति उसका सहयोग करते हैं। जन सहयोग से ही मानव जीवन का विकास होता है। उदाहरण स्वरूप समझिये कि एक बच्चा सड़क पर खेल रहा है और कोई वाहन तेजी से आ रहां है राह चलते व्यक्ति ने बच्चे को उठाकर एक तरफ ले लिया बच्चा कुचल सकता था किन्तु दो अनजाने हाथोंने बचा लिया।। कितना उपकार किया अन जाने हाथों ने उनके सहयोग से जीवन बचगया। बचाने वाला नहीं जानता है कि किसे बचाया गया। और बचने वाला भी नहीं जानता कि उसे अनजाने हाथों से नव जीवन मिला है किन्तु मानवता की सेवा की एक महान घटना अचानक ही घटित हो गई। वह अभयदान (सेवा) इतना महत्व पूर्ण है कि उसकी तुलना किसी भौतिक पदार्थ से नहीं की जा सकती। करुणा और प्राणी रक्षा का भाव आना परम पवित्र आत्म भाव है। उक्त घटना से यह समझ में आजाना चाहिये कि अपना जीवन भी हजारों अनजाने हाथों के सहयोग से विकसित हुआ है। लोक जीवन के इस अव्याख्यायित उपकार का ऋण हम मानवता की सेवा कर के ही चुका सकते हैं। हमारी संस्कृति सेवा की ही संस्कृति है। भगवान ऋषभ देव ने कल्पवृक्ष विच्छेद के बाद मानव और पशुओं की सुरक्षा के लिये कृषि विज्ञान विकसित किया आज पूरा विश्व उसका लाभ उठा रहा है। सेवा और करुणा से प्रेरित किया गया कृषिका प्रयोग बहुत सफल रहा। सेवा और जीव दया के हजारों प्रसंग अन गिनत घटनाएं हमारे इतिहास में भरी पड़ी है। आज यदि हम सेवा और सहयोग के मार्ग को त्याग कर निपट स्वार्थ में अन्धे होकर जीने लगे है तो यह अपना सांस्कृतिक अध्यात्मिक पतन है। धन संचय को जीवन का मौलिक लक्ष्य न बनायें। अपने धन का पीड़ित मानवता की सेवामें उपयोग करने से न केवल धन का सदुपयोग होगा अपितु अध्यात्मिक दृष्टि से पुण्योपार्जन का लाभ भी मिलेगा।

पुण्य वे पवित्र कर्म हैं जो जीवन को सुख समृद्धि और शान्ति प्रदान करते हैं।

सामज में फैली हुई अमीर गरीब की खाई को धनिक व्यक्ति चाहे तो बहुत कुछ मिटा सकते हैं। समृद्धि जब अनेक व्यक्तियों के बीच बांट दी जाती है तो अनेक जीवन दीप जो बुझने को होते हैं फिर से जल उठते है । कहने को आज व्यक्ति स्वतन्त्र है, यदि बहुत गहरे अर्थों में देखा जाए तो मानव में स्वतन्त्रता का कहीं कोई अंश आपको नहीं मिलेगा। विचार और व्यवहार दोनों स्तर पर आज भी व्यक्ति बहुत कुछ परतन्त्र है। जहां तक भाव जगत का प्रश्न है व्यक्ति वहां आवेगों के अधीन चलता है । राग-द्वेष ईर्ष्या, छल और लालच के आग्रह बहुत गहरे है, इनके आवेग मानव की भावनाओं को इतना अधिक प्रभावित कर देते है, कि उसकी इन से हट कर कोई स्वतन्त्र सोच ही नहीं रह पाती। नशे की तरह ये आवेग मानव की चेतना पर छाये रहते हैं। कभी-कभी जब इनका दुष्परिणाम मानव पर प्रकट होता है, और वह जब इनसे किसी संकट पूर्ण स्थिति में फस जाता है, तब उसे समझ में आता है, कि मैनें जो सोचा वह कितना गलत था। किन्तु जब तक यह समझ पैदा होती तब तक तो वह अपना सब कुछ श्रेष्ठ गंवा बैठता हैं, फिर तो पश्चाताप ही शेष रह जाता है। सत्य और उपयोग का सोच तो गलत सोचने के समय ही आना चाहिये जिससे सोचने की गलत दिशा को समाप्त किया जासके ।

विचार यदि तथ्य और परिणाम परक न बने तो समझना चाहिये कि हम किसी आवेग में सोच रहे है आवेग में सोचना वैचारिक परतन्त्रता है। परचालित प्रक्रिया है। आवेग और आग्रह स्वतन्त्र चिन्तन के शत्रु है वे विचारों को अपना बन्धक बना लेते हैं। व्यक्ति भौतिक स्तर परभी जितने व्यवहार या कार्य करता है, वेभी स्वचालित नहीं है।

व्यक्ति अपने प्रत्येक व्यवहार को किसी अन्य के साथ तोलता है। उसने ऐसा किया तो मैं भी वैसा ही करूंगा। इस भाव से आप जो कुछ करते हैं, उसके प्रत्यक्ष में कारक आप स्वयं होते हैं, किन्तु परोक्षत - उसका कारक तो कोई और होता है। भाई पड़ौसी सहपाठी कोई भी हो सकता है। उसे आदर्श मानकर अपने कार्य किये जाते हैं। यह परतन्त्रता नहीं तो और क्या है ? आज दहेज, साज सज्जा प्रदर्शन जो भी बढ़े हैं, उनकी कारक यह परचालित प्रक्रिया ही है। एक दूसरे को देखकर व्यक्ति अपने में एक प्रतिद्वन्द्विता का भाव पैदा करता है। यही तो उसका पर चालित होना है। आपको कोई पड़ौसी या अन्य चलाए क्या यह अच्छी बात है?

कांतिलाल मांडोत

राजनीति में आलोचना और निजी जीवन में टिप्पणी, दोनों के बीच बहुत बड़ा अंतर

नेहरू जी पर आलोचना होती है क्योंकि वे प्रधानमंत्री थे, देश का नेतृत्व उनके हाथों में था, और उनके निर्णयों का असर पीढ़ियों तक पड़ा। उनके विचारों और नीतियों पर बहस करना लोकतंत्र की स्वस्थ परंपरा है। नेहरू जी पर की गई आलोचना और मोदी जी की माता जी का नाम लेना एक ही धरातल पर खड़ा नहीं किया जा सकता। नेहरू देश के पहले प्रधानमंत्री थे, उन्होंने देश का नेतृत्व किया, उनके निर्णयों का प्रभाव आज तक चर्चा का विषय है। इसलिए उनके कार्यों और विचारों की आलोचना लोकतांत्रिक बहस का हिस्सा है। लेकिन मोदी जी की माता जी का राजनीति से कोई सरोकार ही नहीं रहा। वे न कभी सत्ता में रहीं, न सार्वजनिक जीवन में। वे केवल एक गृहिणी के रूप में जानी गईं। ऐसे में उनका नाम राजनीति में घसीटना न केवल असंगत है बल्कि असम्मानजनक भी है। यह तुलना दरअसल तर्कहीनता और मर्यादा भंग करने का उदाहरण है। राजनीति में मतभेद रखना स्वाभाविक है, लेकिन निजी जीवन की मर्यादा तोड़कर किसी की माता को कटाक्ष का विषय बनाना भारतीय संस्कृति और लोकतांत्रिक शिष्टाचार दोनों का उल्लंघन है। पवन खेड़ा की यह तुलना वस्तुतः तर्कहीन और असमान हैनेहरू की आलोचना राजनीतिक जिम्मेदारी की कसौटी पर है, जबकि मोदी की माता जी का नाम लेना व्यक्तिगत अपमान की श्रेणी में आता है। राजनीति में मतभेद हो सकते हैं, लेकिन व्यक्तिगत स्तर तक गिराना केवल लोकतंत्र की गरिमा को ठेस पहुँचाना है। लोकतंत्र की मूल आत्मा यही है कि जो भी व्यक्ति सत्ता के पद पर बैठेगा, उसे आलोचना और विवेचना का सामना करना ही पड़ेगा। प्रधानमंत्री हो या मुख्यमंत्री, राष्ट्रपति हो या गृहमंत्री किसी भी शीर्ष नेता के निर्णय और नीतियाँ जनता के लिए प्रभावशाली होती हैं, इसलिए उन पर प्रश्न उठना स्वाभाविक और आवश्यक है। यहाँ तक कि अगर कोई महिला नेता सत्ता में आती है इंदिरा गांधी, जयललिता, मायावती या ममता बनर्जी तो उनकी नीतियों और शासन पर आलोचना या प्रशंसा होना लोकतांत्रिक परंपरा का हिस्सा है। इस आलोचना को कोई भी उनके "मां होने के नाते व्यक्तिगत अपमान" नहीं कह सकता, क्योंकि वे स्वयं सार्वजनिक जिम्मेदारी उठा रही हैं। सत्ता में आने का अर्थ ही है जनता की कसौटी पर खड़ा होना। इसके उलट, अगर किसी नेता की माता या पिता का राजनीति से कोई लेना-देना न हो और उनका जीवन पूरी तरह निजी दायरे में बीते, तो उन्हें राजनीतिक कटाक्ष का विषय बनाना न तो तार्किक है और न ही मर्यादित। यह सीधे-सीधे निजी जीवन में दखल और अपमान है। इसलिए स्पष्ट रेखा खींचनी होगी लोकतांत्रिक विमर्श केवल उन्हीं तक सीमित रहे जो सत्ता, नीति और नेतृत्व की भूमिका में हों। शीर्ष नेतृत्व, चाहे पुरुष हो या महिला, आलोचना से बच नहीं सकता और न ही उसे "मां के अपमान" जैसी ढाल के पीछे छिपने का अधिकार है। लोकतंत्र का अर्थ ही यही है कि सत्ता के शिखर पर बैठा व्यक्ति जनता की आँखों में आँखें डालकर जवाब दे।

बृजभूषण तिवारी

जेनरेशन-जी की सोच-क्या यह बदलाव और क्रांति की चेतना है

या पब्जी जैसी वर्चुअल दुनिया से उपजी खतरनाक उग्रता?

हाल ही में नेपाल में घटी एक घटना ने पूरी दुनिया का ध्यान खींचा है। कुछ युवाओं द्वारा सड़क पर तोड़फोड़ और उग्र व्यवहार की तस्वीरें सामने आईं। उन युवाओं द्वारा नेपाल की संसद, प्रधानमंत्री कार्यालय, राष्ट्रपति भवन आदि तमाम भवनों को आग के हवाले कर दिया। सोशल मीडिया ने इन घटनाओं को और भी तेजी से प्रसारित किया, जिससे एक बड़ा सवाल खड़ा हुआ। क्या यह नई पीढ़ी, जिसे हम जेनरेशन-जी कहते हैं, सचमुच बदलाव और क्रांति की वाहक है या फिर यह केवल तात्कालिक उत्तेजना और वर्चुअल दुनिया के प्रभाव में आकर उग्रता दिखा रही है? जेनरेशन-जी अर्थात् 1997 से 2015 के बीच जन्मी वह पीढ़ी, जिसने इंटरनेट, स्मार्टफोन और सोशल मीडिया को अपने बचपन से ही देखा और जिया है। यह पीढ़ी सूचना तक सबसे तेज पहुंच रखती है। नई तकनीक को सबसे जल्दी अपनाती है और दुनिया भर की घटनाओं से सेकंडों में जुड़ जाती है। यही वजह है कि इनके भीतर असमानताओं को लेकर संवेदनशीलता भी अधिक है और सवाल उठाने का साहस भी। लेकिन सवाल यह है कि क्या इस साहस का इस्तेमाल रचनात्मक बदलाव की दिशा में हो रहा है या फिर यह केवल तात्कालिक उग्रता और असंतोष को जाहिर करने का माध्यम बनता जा रहा है? हाल ही में घटी नेपाल की घटना इस संदर्भ में एक आईना है। वहां कुछ युवा अचानक सड़कों पर उतरे, अपनी नाराजगी जताई और सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाया। यह विरोध उनके असंतोष का प्रतीक था लेकिन इनका तरीका सवाल खड़ा करता है। क्या किसी भी बदलाव की शुरुआत तोड़फोड़ से होती है? क्या कोई भी आंदोलन तब तक सार्थक नहीं माना जाएगा जब तक वह अराजकता का रूप न ले ले? यह सोच समाज और लोकतंत्र दोनों के लिए खतरनाक हो सकती है। दरअसल, वर्चुअल दुनिया ने युवाओं की मानसिकता को गहराई से प्रभावित किया है। वीडियो गेम, खासकर पब्जी जैसे खेल, जिनमें लड़ाई-झगड़े और विनाश को ही रोमांच बताया जाता है, ने एक खास मनोविज्ञान गढ़ा है। जब लगातार हिंसा और तोड़फोड़ का दृश्य आभासी खेलों में सामान्य लगता है, तो कहीं न कहीं वही पैटर्न असल जीवन में भी असर डालता है। यह जरूरी नहीं कि हर युवा ऐसा सोचने लगे, लेकिन इसका प्रभाव सामूहिक मानसिकता पर पड़ना निश्चित है। यहां सवाल यह भी उठता है कि जेनरेशन-जी केवल उग्रता ही क्यों दिखा रही है? इसका उत्तर उनकी उम्मीदों और हताशाओं में छिपा है। यह पीढ़ी तेजी से बदलती दुनिया देख रही है। जैसे- तकनीकी तरक्की, शिक्षा में प्रतियोगिता, रोजगार की अनिश्चितता और समाज की पारंपरिक अपेक्षाएं। ऐसे में वे बदलाव चाहते हैं, लेकिन जब व्यवस्था उनकी उम्मीदों पर खरी नहीं उतरती, तो उनका असंतोष उग्र रूप ले लेता है। नेपाल की घटना को इसी संदर्भ में देखा जाना चाहिए। युवाओं का आक्रोश शायद जायज था लेकिन उसे जाहिर करने का तरीका सवालों के घेरे में है। लोकतंत्र में असंतोष व्यक्त करना हर नागरिक का अधिकार है लेकिन यह तभी सार्थक होता है जब वह रचनात्मक हो, सकारात्मक हो और समाज के लिए कोई ठोस विकल्प प्रस्तुत करे। जेनरेशन-जी की सोच को क्रांति की चेतना बनाना होगा न कि क्षणिक उत्तेजना की आग। उन्हें यह समझना होगा कि असली क्रांति शिक्षा, तकनीक और सामाजिक सुधार से आती है, न कि गाड़ियों के शीशे तोड़ने या सड़कों पर अराजकता फैलाने से। इस पीढ़ी के पास अपार ऊर्जा है, पर जरूरत इस ऊर्जा को दिशा देने की है। आज समाज, सरकार और परिवार की बड़ी जिम्मेदारी है कि वे युवाओं को केवल अनुशासन के घेरे में बांधने के बजाय उन्हें रचनात्मक अभिव्यक्ति का मंच दें। संवाद की कमी और बेरुखी ही युवाओं को उग्र बनाती है। अगर उनकी बात सुनी जाए, उन्हें समाज निर्माण में शामिल किया जाए, तो वही उग्र ऊर्जा रचनात्मक शक्ति में बदल सकती है। नेपाल की घटना हमें चेतावनी देती है कि समय रहते हमें युवाओं की सोच को समझना होगा। सवाल यही है कि जेनरेशन-जी की मानसिकता को हम किस दिशा में जाने देंगे? क्या यह बदलाव और क्रांति की सशक्त चेतना बनेगी या फिर केवल वर्चुअल दुनिया से उपजी खतरनाक उग्रता?

कृष्ण कुमार

दैनिक राशिफल

ज्योतिष सेवा केन्द्र लखनऊ
डॉ. कौशलेन्द्र पाण्डेय जी

1.मेष – आपके जीवन में जो तनाव बढ़ता जा रहा है आपको उसको खत्म करने की कोशिश करनी चाहिए। परेशानियों के कारण दिनचर्या में थोड़ा बदलाव हो सकता है। आपकी सेहत में सुधार आएगा। सगे-संबंधियों तथा पारिवारिक सदस्यों के साथ घर में उत्सव का वातावरण रहेगा।

2.वृष– आप का अपने पुराने मित्रों का मिलन हो सकता है। लेनदेन के कार्यों में जल्दबाजी न करें। वाणी पर नियंत्रण रखें। वैचारिक मतभेद के कारण नजदीकी व्यक्ति से अनबन हो सकती है। इस राशि की महिलाएं आज किटी पार्टी में जा रही हैं तो किस्मत आपके साथ रहेगी।

3.मिथुन– आपके घर-परिवार में खुशियां आएंगी। नौकरी में अधिकारी वर्ग संतुष्ट रहेगा। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। दोस्तों या भाइयों की मदद से भी कोई जरूरी अधूरा काम पूरा हो सकता है। जो लोग कला के क्षेत्र से जुड़े हैं उनका मान-सम्मान बढ़ेगा।

4.कर्क – आज व्यस्तताओं के कारण प्रेमी जीवन में निराशा देखी जा सकती है। नवीन कार्य के सिलसिले में यात्रा लाभदायक रहेगी। आर्थिक स्थिति मजबूत रहेगी। । आज किसी नई नौकरी की पेशकश आपके रास्ते में आने की संभावना बन रही है।

5.सिंह– आपके जो बाधाएं कार्य क्षेत्र में आ रही थीं वो दूर होंगी और परिणाम आपके अनुकूल रहेंगे। कार्यकुशलता का विकास होगा। आय में वृद्धि होगी। कोर्ट-कचहरी और विवादों में उलझने के योग बन रहे हैं। आज आप जीवनसाथी की गलतियों को इग्नोर करें

6.कन्या – आपको धैर्य एवं शांति बनाए रखने की आवश्यकता है, अन्यथा आप व्यावसायिक संदर्भ में नुकसान उठा सकते है। समाज में आपका सम्मान बढ़ेगा। नौकरी पहले की ही तरह सामान्य रूप चलती हुई होगी। चोट व दुर्घटना से शारीरिक हानि की आशंका है।

7.तुला– आज समय बीतने पर कई अवसर आपके सामने आएंगे और आप उसे पूरे इत्मीनान से स्वीकार कर सकेंगे। यह दिन आपके लिए मिश्रित रहेगा। जो लोग प्रॉपर्टी डीलर है आज उन्हें किसी अच्छे क्लाइंट से मुनाफा मिल सकता है।

8.वृश्चिक – घर में सुख-शांति का माहौल रहने से प्रसन्नता अनुभव करेंगे। स्वास्थ्य में आज थोड़ी गिरावट हो सकती है। आर्थिक लाभ और काम में सफलता मिलेगी। कोई पुरानी बात आपकी परेशानी बढ़ा सकती है। दुकान में मनीप्लॉन्ट का पौधा रखें फायदा जरूर होगा।

8.धनु – नौकरी में अफसरों का सहयोग तो मिलेगा, लेकिन स्थान परिवर्तन की संभावना बन रही हैं। प्रिय व्यक्ति के साथ मुलाकात रोमांचक रहेगी। तन-मन से ताजगी और स्फूर्ति का अनुभव करेंगे। जोश के साथ होश से काम करेंगे तो फायदा बढ़ेगा। जो लोग अविवाहित हैं आज उन्हें विवाह का सुयोग्य प्रस्ताव मिल सकता है।

10.मकर– आपकी सामाजिक लोकप्रियता बढ़ेगी और लोग महत्वपूर्ण मामलों पर आपकी सलाह लेंगे। पारिवारिक मसले पर आपको अचानक यात्रा करनी पड़ सकती हैं। सक्रिय होकर कार्य करें और लाभ अवश्य मिलेगा। नौकरी में आपके अधिकारी खुश रहेंगे।

11.कुंभ– आपके पेशेवर क्षेत्र में आपको प्रशंसा मिलेगी और सामाजिक रूप से आप अधिक लोकप्रिय हो जाएंगे। आप में ईमानदारी का गुण सदैव रहता है यह आप के सम्मान को बढ़ाएगा। अविवाहितों को योग्य जीवनसाथी मिलने के योग हैं। भविष्य में फायदा देने वाले निवेश के बारे में योजना बन सकती है।

12.मीन– आपको थोड़ा कष्ट उठाना पड़ सकता है। परिवार में उत्सव हो सकता है। आपके बच्चों का प्रदर्शन आपके मन में गर्व और खुशी की भावना पैदा करेगा। आपकी मानसिक परेशानियों में कमी आएगी। धर्म-कर्म में रुचि बढ़ेगी और नई तकनीकी जानकारी के प्रति रुझान बढ़ेगा।

राष्ट्रीय एकता का सूत्र है हिंदी

भारत विविध भाषाओं, संस्कृतियों और परंपराओं का देश है। इतनी अपार विविधता के बावजूद, जो भाषा भारतीय जनमानस को एक सूत्र में पिरोती है, वह हिंदी है। महात्मा गांधी ने अपने देशव्यापी भ्रमण के दौरान अनुभव किया कि हिंदी अमीर-गरीब, शिक्षित-अशिक्षित हर वर्ग के बीच बोली और समझी जाती है। उन्होंने हिंदी को राष्ट्रीयता का प्रतीक और भारतीय आत्मा का संवाहक माना। इसी उद्देश्य से उन्होंने 1936 में वर्धा में राष्ट्र भाषा प्रचार समिति की स्थापना की, जिसने देशभर में हिंदी शिक्षा के प्रसार के लिए अनेक केंद्र स्थापित किए। गांधी जी का विश्वास था कि हिंदी को राष्ट्रभाषा बनाना स्वतंत्रता और एकता के लिए आवश्यक है। स्वतंत्रता संग्राम के दौरान हिंदी नेताओं और जनता के बीच संवाद का सबसे सशक्त माध्यम बनी। डॉ. राजेन्द्र प्रसाद, पंडित नेहरू, सुभाषचंद्र बोस, वल्लभभाई पटेल और जमनालाल बजाज जैसे नेताओं ने सांस्कृतिक जागरण और जनसंवाद के लिए हिंदी को अपनाया। रवीन्द्रनाथ टैगोर, सी. राजगोपालाचारी और सुभाष बोस जैसे गैर-हिंदी भाषी नेताओं ने भी हिंदी की शक्ति को पहचाना और इसका समर्थन किया। उनका मानना था कि जब प्रमुख नेता हिंदी का सम्मान करेंगे, तब अन्य प्रांत भी विरोध नहीं करेंगे। स्वतंत्रता के बाद संविधान सभा में हिंदी को राष्ट्रभाषा घोषित करने का प्रस्ताव रखा गया। हालांकि, राजनीति ने राजभाषा और राष्ट्रभाषा का भेद पैदा कर दिया। 1949 में अनुच्छेद 343 के तहत हिंदी को राजभाषा घोषित किया गया, पर 15 वर्षों तक अंग्रेज़ी के प्रयोग की अनुमति दी गई। बाद में 1963 के राजभाषा अधिनियम ने अंग्रेज़ी के स्थायी प्रयोग का रास्ता खोला, जिससे हिंदी को अपेक्षित स्थान नहीं मिल सका। सेठ गोविन्ददास जैसे नेताओं ने संसद में इसका कड़ा विरोध किया और कहा कि लोकतंत्र बहुमत की आवाज़ है, न कि सभी प्रांतों की सहमति की शर्त। माखनलाल चतुर्वेदी सहित कई साहित्यकारों ने भी विरोध जताया। इसके विपरीत पाकिस्तान ने उर्दू और तुर्की ने अपनी भाषा को तुरंत राष्ट्रभाषा का दर्जा दिया। हिंदी विरोध, विशेषकर दक्षिण भारत में, राजनीति द्वारा पोषित था। प्राचीनकाल से दक्षिण भारत संस्कृत विद्वता और हिंदू संस्कृति का केंद्र रहा है, ऐसे में संस्कृत की पुत्री हिंदी का वहां विरोध स्वाभाविक नहीं था। पर राजनीतिक हितों ने यह स्थिति पैदा की। अंग्रेज़ी, जो औपनिवेशिक गुलामी का प्रतीक थी, प्रशासन में अपना वर्चस्व बनाए रखी। इतिहास गवाह है कि हर काल में किसी एक भाषा ने राष्ट्रीय एकता का सूत्र संभाला है–अशोक काल में पाली, मध्यकाल में ब्रजभाषा और आधुनिक काल में खड़ी बोली हिंदी। अंग्रेज़ अधिकारी टॉमस रोबक ने 1807 में लिखा था कि कन्याकुमारी से कश्मीर और असम से सिंधु तक लोग हिंदुस्तानी बोलते हैं। लोकमान्य तिलक और एनी बेसेंट जैसे नेताओं ने भी हिंदी शिक्षा को अनिवार्य बनाने पर ज़ोर दिया। गांधी जी ने कहा था, "मेरे लिए हिंदी का प्रश्न स्वराज्य का प्रश्न है।" नेताजी सुभाषचंद्र बोस ने 1918 में कलकत्ता कांग्रेस में हिंदी में भाषण देकर इसका सम्मान बढ़ाया। स्वामी दयानंद, अरविंद, सरोजिनी नायडू और रवीन्द्रनाथ टैगोर जैसे नेताओं ने भी इसका समर्थन किया। हिंदी साहित्य ने विभिन्न प्रांतों और भाषाओं के रचनाकारों को जोड़ा है–बंगाल के क्षितिमोहन सेन, महाराष्ट्र के प्रभाकर माचवे, गुजरात के कन्हैयालाल मुंशी, तमिल के श्रीनिवासाचारी और पंजाब के यशपाल जैसे लेखक हिंदी की राष्ट्रीय एकता के प्रतीक बने। विदेशी भाषाओं के अंधानुकरण से राष्ट्रीय आत्मगौरव कमजोर होता है। सच्ची एकता तभी संभव है जब हमारी अभिव्यक्ति जनमानस की आत्मा में बसने वाली भाषा में हो। आज हिंदी दुनिया की तीसरी सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषा है। डिजिटल युग में यह अंग्रेज़ी और चीनी के बाद प्रमुख वैश्विक भाषाओं में गिनी जाती है। विदेशी भी व्यापार, शिक्षा और संस्कृति के लिए हिंदी सीखने में रुचि दिखा रहे हैं। भारतीय नेताओं और साहित्यकारों ने भी अंतरराष्ट्रीय मंचों पर हिंदी को सम्मान दिलाया है। विदेश मंत्री रहते हुए अटल बिहारी वाजपेयी ने संयुक्त राष्ट्र में हिंदी में भाषण देकर इसका गौरव बढ़ाया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अन्य नेताओं ने भी विदेशों में हिंदी के प्रयोग को प्रोत्साहित किया।नई शिक्षा नीति ने हिंदी और मातृभाषाओं को उच्च शिक्षा में स्थान देकर एक बड़ा कदम उठाया है।

चिकित्सा, अभियंत्रण जैसे क्षेत्रों में मातृभाषा में पढ़ाई की सुविधा राष्ट्रीय अस्मिता को मजबूत करेगी। भोपाल में आयोजित विश्व हिंदी सम्मेलन और विभिन्न सरकारी आयोजनों ने हिंदी को वैश्विक पहचान दी है। हिंदी दिवस केवल एक औपचारिक आयोजन नहीं, बल्कि संकल्प का दिन है। हमें अपने दैनिक जीवन, सामाजिक माध्यमों और पेशेवर क्षेत्र में हिंदी का प्रयोग बढ़ाना चाहिए। हिंदी हमारी संस्कृति, आत्मगौरव और राष्ट्रीय एकता का सबसे सशक्त माध्यम है। जिस प्रकार गंगा-यमुना के संगम में अदृश्य सरस्वती प्रवाहित रहती है, उसी प्रकार हिंदी उत्तर और दक्षिण के बीच सेतु बनकर भारत की आत्मा को जोड़ती है।

महेन्द्र तिवारी

मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक रवि कुमार अवस्थी द्वारा सुशीला स्टेडी बेल एकेडमी 117-मोहल्ला विजय लक्ष्मी नगर परगना खैराबाद तहसील व जनपद -सीतापुर से प्रकाशित तथा महावीर आफसेट 28, हीवेट रोड लखनऊ से मुद्रित। सम्पादक रवि कुमार अवस्थी समाचार पत्र में छपे समस्त समाचार संवाददाताओं के अपने श्रोत एवं संकलन हैं, जिनसे सम्पादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। **नोट:**-उपरोक्त सभी पद अवैतनिक एवं स्वयंसेवी हैं तथा समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादो का न्याय क्षेत्र सीतापुर होगा। R.N.I NO. UPHIN/2012/43078 मो0 नं0 -9511151254, E-Mail :- news@swatantraprabhat .com

संक्षिप्त खबरें

दिव्यांग की मदद को व्यापार मंडल ने बढ़ाया हाथ

5 हजार की नगदी समेत दैनिक उपयोग की वस्तुएं की भेंट

लालगंज रायबरेली। क्षेत्र के पहुरी गांव में दोनो आखों से दिव्यांग गया प्रसाद लोहार की मदद के लिये व्यापार मंडल आगे आया है। इस सम्बन्ध में जानकारी देते हुए व्यापार मंडल के अध्यक्ष राहुल भदौरिया ने बताया कि सोशल मीडिया के माध्यम से यह जानकारी प्राप्त हुई कि पहुरी गांव में एक व्यक्ति की दोनो आखों की रोशनी चली गई है। घर में उसके साथ उसकी पत्नी व नाबलिक पुत्र व पुत्री रहते है। घर की आर्थिक स्थिति ठीक न होने के चलते उसके सामने रोजी-रोटी का संकट है। जिसके बाद उपाध्यक्ष डा. सलीम के सहयोग से पीड़ित की मदद का संकल्प लिया गया। व्यापार मंडल की टीम ने दिव्यांग के घर पहुंचकर 5 हजार की नगदी समेत 25 किलो आटा, 20 किलो चावल समेंत अन्य दैनिक उपयोग की वस्तुएं प्रदान की है। व्यापार मंडल के पदाधिकारियों ने पीड़ित को आश्वस्त किया है कि इसके इलाज के लिये आगे भी समुचित प्रबंध किया जायेगा। इस मौके पर मनोज सिंह,सचिन सिंह, नारेंद्र बहादुर सिंह अतुल सिंह, तेज बहादुर, छोटू , अब्दुल अजीज, विनोद जायसवाल, मो0 साबिर, उमाशंकर जायसवाल, अलीम आदि मौजूद रहे।

बाईपास और ट्रेन सेवा शुरू कराने को लेकर सांसद राहुल गांधी को सौपा ज्ञापन

लालगंज (रायबरेली)। उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के पदाधिकारियों ने सांसद व नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी से मुलाकात की। नगर की प्रमुख समस्याओं को लेकर ज्ञापन सौंपा। व्यापर प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि लालगंज जनपद की सबसे बड़ी व्यापारिक मंडी है, जहां प्रतिदिन हजारों वाहन आते जाते हैं। बांदा बहराइच मार्ग का एकमात्र रास्ता शहर के बीच से गुजरने के कारण दिनभर जाम की स्थिति बनी रहती है। इससे बाजार में ग्राहकों की आवाजाही प्रभावित हो रही है। इससे व्यापार चौपट हो गया है। व्यापारियों ने एनएच 232 को जोड़ते हुए गोविंदपुर, वलौली, चाँदा, बन्नामऊ होते हुए बछरावां मार्ग पर लगभग तीन किलोमीटर लंबा छोटा बाईपास बनाये जाने की मांग रखी रायबरेली से कानपुर के बीच चलने वाली ट्रेन संख्या 54211-54212 कोरोना काल में बंद कर दी गई थी, जिसे अब तक शुरू नहीं किया गया। इस वजह से व्यापारियों और आम लोगों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। व्यापारियों ने बताया कि सांसद राहुल गांधी ने आश्वस्त किया कि वे जल्द ही रेल मंत्री से पत्राचार कर ट्रेन सेवा शुरू कराने का प्रयास करेंगे।प्रतिनिधिमंडल में व्यापारी अनिल गुप्ता, रोहित सोनी, प्रतीक शर्मा, रौनक भदौरिया भी मौजूद रहे।

केवानी नदी में पानी बढ़ने से किसानों के माथे पर खिंची चिंता की लकीरें

ग्रामीणों ने की पुल के उत्तरी किनारों पर पुल से बंधा बनवाये जाने की मांग।

बिसवां (सीतापुर)। लगातार बैराजों से पानी छोड़े जाने और क्षेत्र में बारिश होने से केवानी नदी के जल स्तर में वृद्धि हो गई है। जहांगीराबाद पुल के निकट नदी का पानी नदी से निकलकर गांव की ओर बढ़ रहा है जिससे किसानों तथा ग्रामीणों के माथे पर चिंता की लकीरें खिचनी शुरू हो गई हैं। शुक्रवार को नदी का पानी दुबघटिया तालाब में भरकर किसानों के खेतों में होकर हौदा तालाब में पहुंच गया है। अगर इसी प्रकार पानी का बढ़ना जारी रहा तो जल्द ही डुबका तालाब में पहुंच कर गांव के किनारे पहुंच सकता है। पानी भर जाने से धान की सैकड़ों बीघा फसल को भारी नुकसान होने की संभावना है। नदी से लेकर गांव तक दर्जनों धान के खेतों में पानी भर गया है।दुबघटिया तालाब के पास पुलिया के निकट निकले रास्ते पर गांठ गांठ पानी भर गया है जिसके और बढ़ने की आशंका है। किसानों को चिंता है कि गत वर्षों में जब जब ज्यादा मात्रा में केवानी नदी में पानी छोड़ा गया है तब तब काफी दिनों तक गांव के किनारे के सभी खेत महीनों पानी में डूबे रहे थे। किसानों का कहना है कि अगर इस बार भी ऐसा हुआ तो धान व मक्का की सारी फसल बर्बाद हो जायेगी। ग्रामीणों तथा किसानों की शासन प्रशासन से मांग है कि नदी के पुल के दोनों उत्तरी किनारों पर पुल से लेकर मजबूत ऊंचा बंधा बनवाये जायें जिससे लगभग प्रतिवर्ष होने वाले नुकसान से बचा जा सके।

स्कूल परिसर में भरे बारिश के पानी व कीचड़ के बीच पढ़ने को मजबूर छात्र

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

महराजगंज रायबरेली। स्कूल परिसर में भरे बारिश के पानी व कीचड़ के बीच पढ़ने को मजबूर छात्र, जिम्मेदारों की उदासीनता से बच्चों को मच्छर जनित बीमारियों व संक्रमण का खतरा। क्षेत्र के दौतरा ग्राम पंचायत के लोनार गांव में आबादी के बीच बना प्राथमिक विद्यालय स्कूल में बारिश के दिनों में जलभराव हो जाता है। जिससे वहां पढ़ने वाले छात्र छात्राओं के साथ शिक्षकों को भी परेशानी होती है। वहां के क्षेत्र पंचायत सदस्य रोहित का कहना है कि स्कूल अब जर्जर हो गया है। इसके अलावा वहां का परिसर नीचे होने से आबादी का पानी भी स्कूल में भर जाता है। वहां के शिक्षक अरविंद कुमार ने बताया कि कई बार ग्राम प्रधान मोनू से परिसर में मिट्टी भराई के लिए कहा गया लेकिन नतीजा सिफर रहा। शुक्रवार को स्कूल परिसर में जलभराव व कीचड़ की सूचना मिलने पर पहुंचे खण्ड शिक्षा राम मिलन यादव ने ग्रामीणों व अभिभावकों को बुलाकर समस्या से निपटने की चर्चा करते हुए परिसर में भरे पानी निकालने के लिए शिक्षक अरविंद कुमार को निर्देश दिए। शिक्षक अरविंद कुमार ने बताया कि पम्पसेट चलवाकर परिसर में भरा पानी निकलवाया गया है । यदि पुनः बारिश हुई तो फिर से जलभराव हो जाएगा। विकास खण्ड अधिकारी वर्षा सिंह ने बताया कि स्कूल परिसर में जलभराव होने की स्थिति से निपटने के लिए खेत खाली होते ही मनरेगा योजना से परिसर में मिट्टी भराई कराकर स्थाई समाधान किया जाएगा।

सभी भाषाओं का अपना-अपना महत्व-शालिनी सिंह

● बीएमपीएस में हिंदी-दिवस सप्ताह के अंतर्गत हुए विविध कार्यक्रम।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लालगंज, रायबरेली। कस्बे के बक्शी मेमोरियल पब्लिक स्कूल लालगंज में हिंदी दिवस सप्ताह मनाया गया,जिसमें बच्चों ने विभिन्न प्रकार के शिक्षाप्रद कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। इस अवसर पर विद्यालय की सह प्रशासनिक सचिव शालिनी सिंह ने कहा कि हिंदी हमारी राष्ट्रभाषा है जिसका हम सभी भरपूर उपयोग करते हैं किंतु अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सभी भाषाओं का अपना-अपना महत्व है।भाषण प्रतियोगिता,वाद-विवाद, कहानी वाचन,सस्वर कविता वाचन, पोस्टर मेकिंग आदि के द्वारा बच्चों ने अपनी आंतरिक प्रतिभा का जबरदस्त प्रदर्शन किया। भाषण प्रतियोगिता में विशोक तिवारी, आदर्श त्रिवेदी, अंशिका तिवारी, नंदिनी सिंह, ईशा गुप्ता, स्तुति सिंह आदि ने अपने आंतरिक भावों को भाषण के माध्यम से व्यक्त किया। वाद- विवाद प्रतियोगिता में सेजल सिंह, विश्वास मिश्रा, शताक्षी सिंह, अजय प्रताप सिंह ने अपने विचारों को व्यक्त किया। कहानी वाचन प्रतियोगिता में रुद्र प्रताप, काव्या गुप्ता, अनन्या सिंह ने अपने स्मरण शक्ति के द्वारा अपने भावों को व्यक्त किया, कविता सस्वर वाचन में अनन्या यादव, आरोही यादव, जानवी बाजपेई, ध्रुव सिंह ने सस्वर वाचन किया।पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में अनन्या, केअदिति, आराध्या यादव, अपराजिता होरो, अंशिका पांडे, अर्पित मौर्य आदि ने अपने आंतरिक भावों को पोस्टर के माध्यम से व्यक्त किया। इस अवसर पर शिरीष तिवारी, संगीत सिंह, लता सिंह ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में निर्णायक की भूमिका निभाई।कार्यक्रम का संयोजन प्रीति श्रीवास्तव ने किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में सभी अध्यापकों का अपना-अपना यथोचित योगदान रहा।यह जानकारी बीएमपीएस के पीआरओ यशबहादुर यादव ने दी।

करंट लगने से हुई किसान की मौत घर में मचा कोहराम, चाचा- भतीजा चारा लेने गए थे

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर जनपद सीतापुर के सकरन थाना क्षेत्र में शनिवार को करंट की चपेट में आने से एक व्यक्ति की मौत हो गई जबकि उसका भतीजा गंभीर रूप से घायल हो गया मृतक की पत्नी ने गांव के ही एक व्यक्ति पर खेतों में जानलेवा करंट दौड़ाने का गंभीर आरोप लगाया है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच पड़ताल में जुटी है जानकारी के मुताबिक थाना क्षेत्र के मोहरी गांव निवासी किशोरी लाल पुत्र परशुराम (50 वर्ष) अपने भतीजे सरोज के साथ खेतों में मवेशियों के लिए चारा लेने जा रहे थे रास्ते में पास के ही ग्रामीण राम सुमिरन के खेत से होकर गुजरते समय किशोरी लाल अचानक वहां लगे करंट प्रवाहित तार की चपेट में आ गए और गिर पड़े। चाचा को बचाने की कोशिश में सरोज भी तार से चिपककर घायल हो गया घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई शोर सुनकर ग्रामीण दौड़े और किसी तरह पास के ट्रांसफार्मर से लाइन काटी इसके बाद दोनों को एम्बुलेंस की मदद से सीएचसी सांडा ले जाया गया वहां चिकित्सकों ने किशोरी लाल को मृत घोषित कर दिया जबकि गंभीर रूप से घायल सरोज का इलाज जारी है। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय भेज दिया है

घटना की पुष्टि करते हुए एसआई राजकुमार सिंह ने बताया कि आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है। इधर, मृतक की पत्नी ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि गांव के ही राम सुमिरन ने करीब एक साल पहले अपने खेतों में तार बिछाकर उसमें करंट दौड़ा रखा था इसकी चपेट में अब तक कई मवेशी आ चुके थे लेकिन इस बार उनके पति की जान चली गई परिजनों ने दोषी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है इस घटना से गांव में गम और आक्रोश का माहौल है। ग्रामीणों का कहना है कि खेतों में जानलेवा करंट दौड़ाना गंभीर अपराध है और दोषी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए!!

एल्पिस ग्लोबल विद्यालय में भव्य विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बिसवां/सीतापुर बिसवां। नगर का प्रतिष्ठित एल्पिस ग्लोबल विद्यालय छात्रों की समग्र उन्नति हेतु अपने संकल्प के साथ निरंतर अग्रसर है। इसी क्रम में आज दिनांक 13 सितम्बर 2025 को विद्यालय परिसर में विज्ञान प्रदर्शनी का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के विभिन्न कक्षाओं के छात्रों ने अपनी जिज्ञासा, अनुसंधान एवं नवाचार की प्रतिभा का परिचय देते हुए विविध विषयों पर माडल प्रस्तुत किये। इन मॉडलों में पर्यावरण संरक्षण, अंतरिक्ष विज्ञान, कृषि विज्ञान तथा वैज्ञानिक दृष्टिकोण से संबंधित नवीनतम प्रयोगों को दर्शाया गया। छात्रों की रचनात्मकता, कल्पनाशीलता और वैज्ञानिक सोच को देखकर उपस्थित अभिभावक, शिक्षकगण तथा समाज के गणमान्य जन अत्यंत प्रभावित हुए और सभी ने उनकी भूरि-भूरि प्रशंसा की। कार्यक्रम के मुख्य आकर्षण में छात्रों द्वारा बनाए गए सौर ऊर्जा पर आधारित उपकरण, अंतरिक्ष यान के नमूने, जल संरक्षण प्रणाली तथा आधुनिक खेती के तकनीकी उपायों को दर्शाने वाले मॉडल रहे, जिन्हें देखकर सभी ने छात्रों की वैज्ञानिक दृष्टि और परिश्रम की सराहना की। विद्यालय के डायरेक्टर उमंग राजवंशी ने प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए बच्चों की प्रतिभा और नवाचार भावना की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि विज्ञान ही प्रगति का आधार है और ऐसे आयोजन छात्रों को भविष्य में अनुसंधान और नवाचार के क्षेत्र में अग्रसर होने की प्रेरणा प्रदान करते हैं। उन्होंने सभी छात्रों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए इस आयोजन को सफल बनाने में सहयोग देने वाले समस्त अध्यापकों की सराहना की।

विद्यालय की प्रधानाचार्या दीपा चंद्रा ने अपने उद्बोधन में छात्रों से संवाद करते हुए आधुनिक जीवन में विज्ञान की महत्ता पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि वैज्ञानिक दृष्टिकोण से ही जीवन को सरल, सुरक्षित और सार्थक बनाया जा सकता है। साथ ही उन्होंने इस प्रदर्शनी को सफल बनाने में योगदान देने वाले सभी अध्यापकों, कर्मचारियों और अभिभावकों का हृदय से धन्यवाद ज्ञापन किया। एल्पिस ग्लोबल विद्यालय में आयोजित इस विज्ञान प्रदर्शनी ने छात्रों के ज्ञान, कौशल और अनुसंधान क्षमता को नई दिशा दी तथा समाज को विज्ञान की महत्ता से अवगत कराया।

पुलिस को मिली कामयाबी तीन गांजा तस्कर को किया गिरफ्तार, कार की सीट के नीचे रखे सूटकेस से 18.7 किलो गांजा बरामद

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर जनपद सीतापुर में अवैध मादक पदार्थों की रोकथाम के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस को बड़ी सफलता मिली है यहां सीओ सिटी विनायक भोंसले के नेतृत्व में क्राइम ब्रांच व खैराबाद पुलिस की संयुक्त टीम ने गांजा तस्करी करने वाले अंतर्जनपदीय गिरोह के तीन अपराधियों को गिरफ्तार किया जिनके कब्जे से करीब 7 लाख रुपए से अधिक कीमत का अवैध गांजा बरामद किया है बताया जाता है कि पुलिस टीम ने बाराभारी रेलवे क्रॉसिंग के पास चेकिंग के दौरान एक संदिग्ध कार किआ कारेन्स (UP51BQ2624) को रोकने का प्रयास किया।

पुलिस को देखकर कार सवार भागने लगे लेकिन पुलिस ने घेराबंदी कर रोक लिया वहीं तस्करों और कार की तलाशी में पिछली सीट से एक बड़े सूटकेस में प्लास्टिक टेप से लिपटे नौ बंडल मिले जिनमें 18 किलो 760 ग्राम अवैध गांजा बरामद हुआ इस बरामद गांजे की अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कीमत लगभग 7 लाख 20 हजार रुपये आंकी गई है। बरामद कार के कागजात न मिलने पर उसे धारा 207 एमवी एक्ट के तहत सीज किया गया सीओ सिटी ने बताया कि गिरफ्तार अभियुक्तों की पहचान आशुतोष सिंह उर्फ मोनू निवासी आजमगढ़, मोहित कश्यप निवासी बहराइच व राजपाल उर्फ करन निवासी बस्ती के रूप में हुई मुख्य अभियुक्त आशुतोष के खिलाफ प्रतापगढ़ व रायबरेली में हत्या का प्रयास, लूट, गैंगेस्टर एक्ट समेत कई गंभीर मुकदमे दर्ज हैं अन्य अभियुक्तों के आपराधिक इतिहास की जानकारी जुटाई जा रही है पुलिस ने बरामदगी के आधार पर आरोपियों के खिलाफ थाना खैराबाद में एनडीपीएस एक्ट की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर न्यायालय भेज दिया है!

विवाहित महिला ने गांव के ही युवक पर छेड़छाड़ व अश्लीलता का लगाया आरोप की शिकायत

महराजगंज रायबरेली। कोतवाली क्षेत्र के एक गांव निवासिनी विवाहित महिला ने गांव के ही युवक पर छेड़छाड़ व अश्लीलता का आरोप लगाते हुए कोतवाली पुलिस से लिखित शिकायत दर्ज कराई है। पीड़िता ने पुलिस को दी गई तहरीर में बताया शुक्रवार देर शाम करीब आठ बजे वह घर पर बच्चों के साथ लेटी थी। कुछ देर बाद वह लघुशंका के लिए बाहर गई तभी गांव के ही बिंधा पुत्र परीदीन ने उसे पीछे से पकड़कर उसके साथ छेड़छाड़ करते हुए दुराचार का प्रयास किया। चीख-पुकार सुनकर उसके बच्चों व मुहल्ले के लोगों ने उसे छुड़ाया मामले की जानकारी तत्काल डायल 112 पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस घटना को गंभीरता से लेते हुए छानबीन में जुट गई है। कोतवाल जगदीश यादव ने बताया कि तहरीर मिली है घटना के बाबत जांच कराई जा रही है कार्रवाई की जाएगी।

श्रीराम जन्मभूमि मंदिर धाम अयोध्या के मुख्य पुजारी एवं हनुमानगढ़ी के महंत का किया गया भव्य स्वागत

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में श्रीराम जन्मभूमि मंदिर धाम अयोध्या के मुख्य पुजारी एवं हनुमान गढ़ी के महंत के लखनऊ आगमन पर पिकेडली होटल के प्रबंधक, संस्कार कॉलेज के प्रबंधक, पुरवा विधायक के मीडिया प्रभारी द्वारा अंगवस्त्र भेंट कर भव्य स्वागत किया। श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के मुख्य पुजारी संतोष तिवारी एवं हनुमानगढ़ी के महंत अखिलेश दास का लखनऊ आगमन हुआ।

आगमन के दौरान मुख्य पुजारी एवं महंत का कानपुर रोड स्थित पिकेडली होटल लखनऊ पहुँचने के दौरान होटल के प्रबंधक जितेंद्र सिंह, संस्कार कॉलेज के प्रबंधक विनीत तिवारी, पत्रकार डी0के0 तिवारी; पुरवा विधायक के मीडिया प्रभारी बृजेश शुक्ला एवं अमन द्विवेदी द्वारा अंगवस्त्र, माल्यार्पण कर भव्य स्वागत किया गया। इस दौरान पुजारी संतोष तिवारी एवं महंत अखिलेश दास नें राम नाम की अखण्ड महिमा, सनातनी व्यवस्था के मर्म व संतो के समागम की महिमा पर विस्तृत चर्चा की।

निगोहां में हुए सनी हत्याकांड में पुलिस को मिली सफलता, सभी आरोपी गिरफ्तार

● .....बीते पांच दिन में सभी आरोपी पुलिस की गिरफ्त में पीड़ित परिवार ने जताई संतुष्टि।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

निगोहां। लखनऊ, निगोहां थाना क्षेत्र में हुए चर्चित सनी रावत हत्याकांड में पुलिस लगातार सक्रियता दिखा रही है। शनिवार को पुलिस ने फरार चल रहे दो और आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। इस तरह पांच दिन पहले हुई सनसनीखेज वारदात के सभी आरोपी पुलिस की पकड़ में आ चुके हैं।शनिवार को थाना प्रभारी अनुज तिवारी के नेतृत्व में पुलिस टीम ने आरोपित राजकपूर चौरसिया निवासी भद्दीखेड़ा और जयसिंह उर्फ कल्लू यादव निवासी कीर्तिखेड़ा मजरा कनकहा को दबोच लिया। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने दोनों को थाने लाकर कड़ी पूछताछ की और विधिक कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू कर दी है।गौरतलब है कि इससे पहले गुरुवार को पुलिस ने मुख्य आरोपी जीतू यादव के भाई देवेश यादव उर्फ बोग्गा और साले संतोष यादव को गिरफ्तार कर जेल भेजा था। वहीं, मुख्य आरोपी और कुख्यात हिस्ट्रीशीटर जीतू यादव ने पुलिस दबिश और गिरफ्तारी के दबाव में आकर गुरुवार को ही गुपचुप तरीके से एससी/एसटी कोर्ट में सरेंडर कर दिया था।पूरे मामले की निगरानी एसीपी रजनीश वर्मा कर रहे हैं।

उनके नेतृत्व और निगोहा थाना प्रभारी अनुज तिवारी की अगुवाई में गठित टीम लगातार आरोपियों की तलाश में छापेमारी कर रही थी। पुलिस की सक्रियता और दबिश के चलते सभी आरोपियों का गिरफ्त में आना पुलिस की बड़ी सफलता माना जा रहा है।पांच दिन पहले हुई इस वारदात में मृतक सनी रावत को लोहे की रॉड से बेरहमी से पीटा गया था और हत्या के बाद शव को नाले में फेंक दिया गया था। घटना के बाद से ही इलाके में दहशत और सनसनी का माहौल बना हुआ था।पीड़ित परिवार ने पुलिस की त्वरित कार्रवाई पर संतोष जताया है।

परिवार का कहना है कि ÷पुलिस ने हमारी पीड़ा को समझते हुए लगातार मेहनत की और सभी आरोपियों को जेल की सलाखों तक पहुंचाया।अब हमें न्याय मिलने की उम्मीद जगी है।वहीं, गांव के लोग भी इस कार्रवाई से राहत महसूस कर रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि पुलिस ने जिस तरह तेजी से दबिश दी और आरोपियों को पकड़ा, उससे अपराधियों में खौफ पैदा हुआ है। लगातार हो रही गिरफ्तारियों के बाद अब गांव में लोग चैन की नींद सोने लगे हैं।

पांचवी के छात्र ने विधायक को लिखा पत्र ,खेल मैदान निर्माण कराने की उठाई मांग

● सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा छात्र का पत्र और वीडियो, मिल रहा लोगों का प्यार।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। कल्ली पश्चिम में पांचवीं के छात्र ने सरोजनीनगर विधायक को पत्र लिखकर बच्चों की खेलकूद गतिविधियों के लिए खेल मैदान का निर्माण कराने की मांग की है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे छात्र के पत्र का संज्ञान लेकर विधायक ने मामले में जिला प्रशासन और नगर निगम को आवश्यक कार्रवाई के लिए कहा है। उधर सोशल मीडिया पर छात्र के वायरल वीडियो को अपार समर्थन मिल रहा है।

बारिश के मौसम में मोहल्ले के खाली पड़े प्लॉट में जलभराव और कीचड़ के बाद खेलकूद नही कर पाने से आहत कल्ली पश्चिम निवासी पांचवी के छात्र अनय श्रीवास्तव ने सरोजनीनगर विधायक डॉक्टर राजेश्वर सिंह को मार्मिक पत्र लिखकर बच्चों और युवाओं के लिए बेहतर सुविधाओं युक्त खेल मैदान का निर्माण कराने की पुरजोर मांग उठाई है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे छात्र अनय श्रीवास्तव के पत्र और वीडियो का संज्ञान लेकर विधायक ने व्हाट्सएप के जरिए बच्चे की मांग पूर्ण कराने का भरोसा दिया है। सोशल मीडिया पर छात्र के वीडियो को अब तक पांच हजार से अधिक लोगों ने अपना समर्थन दिया है। यही नही कुछ जागरूक लोगों ने छात्र अनय श्रीवास्तव के वीडियो और मांगपत्र को ट्वीट कर मुख्यमंत्री जी से भी मामले में हस्तक्षेप की मांग की है। उधर छात्र अनय श्रीवास्तव ने बताया उन्हें और उनके दोस्तों के खेलने के लिए आसपास कोई खेल मैदान नही है।जिसे लेकर उन्होंने अपने क्षेत्रीय विधायक से खेल मैदान का निर्माण कराने की मांग की है। अनय के मुताबिक उन्हें पूरा भरोसा है कि विधायक जी जिला प्रशासन और नगर निगम के माध्यम से शीघ्र ही बच्चों के लिए सभी सुविधाओं युक्त खेल मैदान की सौगात दिलाएंगे।

33 केवी लाइन के लिए पेड़ों की कटाई व छटाई का कार्य शुरू

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर जनपद के तालगांव क्षेत्र में 33 केवी लाइन के पेड़ों की कटाई व छटाई का कार्य शनिवार को किया गया आपको बताते चले की यह कार्य सुबह 10:00 बजे से शाम 5:00 बजे तक चलता रहा । इस कार्य के दौरान तालगांव पावर हाउस व कसरैला पावर हाउस से संबंधित क्षेत्र की सप्लाई बाधित रही। इस संबंध में तालगांव अवर अभियंता विजय प्रकाश ने बताया कि पेड़ों की कटाई व छटाई का कार्य रविवार को भी सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक जारी रहेगा इस दौरान सभी उपभोक्ताओं से अपील है कि इस कार्य अवधि में सभी उपभोक्ता अपनी वैकल्पिक व्यवस्था कर ले ताकि किसी भी प्रकार की समस्या का सामना न करना पड़े।

वहीं दूसरी तरफ हरगांव उपकेंद्र के अंतर्गत केसरीगंज में स्थित अंडर ग्राउंड 33 के वी खराब विद्युत केबल को बदलने का कार्य किया गया । हरगांव उपखंड अधिकारी अब्दुल अजीज ने बताया कि यह लाइन जर्जर हो चुकी थी जिसे बदलने का कार्य पूर्ण किया गया । इस कार्य में लगभग 4 घंटे का समय लगा और उसके बाद सफलतापूर्वक कार्य संपन्न हुआ।

लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) में ब्लॉक अध्यक्ष बने आकाश मिश्र व सुनील मिश्र

लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) में ब्लॉक अध्यक्ष आकाश मिश्र व सुनील मिश्र बने सह प्रभारी चाका ब्लॉक राष्ट्रीय अध्यक्ष व केंद्रीय कैबिनेट मंत्री चिराग पासवान के निर्देश पर आज पार्टी की सदस्यता अभियान में अभय कुमार मिश्रा एडवोकेट हाईकोर्ट वर्तमान प्रधान कुंवर पट्टी को कानून विधिक सलाहकार एवं विधानसभा मेजा के संरक्षक का दायित्व दिया गया एवं आकाश मिश्रा को ब्लॉक अध्यक्ष करछना सुनील कुमार मिश्र सारंगपुर नैनी को ब्लॉक चाका का सह प्रभारी मनोनीत किए गए जिला अध्यक्ष जिला प्रधान महासचिव जिला मीडिया प्रभारी आयुष मिश्रा द्वारा सदस्यता दिया गया।

सूचना मीरजापुर

विज्ञापन (सदस्यता हेतु)

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि विद्यालय के साधारण सभा के सदस्यों को बनाने की तिथि (प्रकाशन) प्रबंध समिति द्वारा दिनांक 16/09/2025 से 10 दिन तक दिनांक 25/09/2025 तक निर्धारित की गई है।साधारण सभा के सदस्य दो प्रकार के होंगे। वह व्यक्ति जो एक मुश्त रुपया 2000=00 नगद अथवा संपत्ति के रूप में संस्था को देगा। संस्था का आजीवन सदस्य होगा। वह व्यक्ति जो रुपया 300=00 एक मुश्त देगा वह तीन वर्ष के लिए सभा का सदस्य होगा। तथा एक वर्ष पश्चात मताधिकार प्राप्त कर सकेगा। कोई भी व्यक्ति जिसकी आयु 21 वर्ष से कम न हो, पागल, दीवालिया तथा सजायाफ्ता न हो प्रबंधक जी के पास कार्यालय समय में निर्धारित शुल्क जमा करके रसीद प्राप्त कर सदस्यता ग्रहण कर सकता है।

प्रबंधक
विंध्य विद्या पीठ इंटर कॉलेज विंध्याचल मीरजापुर

अध्यक्ष
विंध्य विद्या पीठ इंटर कॉलेज, विंध्याचल मीरजापुर

संक्षिप्त खबरें

महंत अवैधनाथ को याद कर लिया गौरक्षा का संकल्प

मथुरा। विश्व हिन्दू महासंघ गौरक्षा प्रकोष्ठ का ब्रह्मलीन संत महंत अवैध नाथ की 13वीं पुण्य तिथि पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। प्रकोष्ठ के पदाधिकारियों व सदस्यों ने गौरक्षा का संकल्प लेते हुए महंत अवैध नाथ को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। सभी ने महंत के बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया और गौसेवा का संकल्प लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष डॉ. नवीन कुमार व महानगर अध्यक्ष डॉ. राघव शर्मा सहित समस्त कार्यकारिणी सदस्यों ने महंत के चित्रपट के समक्ष दीप जलाकर और पुष्प अर्पित किये। कार्यक्रम का संचालन जिला महामंत्री डॉ. अमर कुमार धारीवाल ने किया। इस अवसर पर वरिष्ठ उपाध्यक्ष मुन्ना लाल, महसपगा महसमंत्री यंजश् यिंह, गौरव पंडित, मोहित चतुर्वेदी एड्वोकेट, चिन्मय शर्मा, मनु श्री त्रिवेदी, जिला उपाध्यक्ष हेमंत चतुर्वेदी, अमित वार्ष्णेय, पंकज उपाध्याय, डॉ. मोहन सिंहख् सूर्यकांत सिंह चाहर, बच्चू सिंह, वेदप्रकाश मुदगल, अनुराग शर्मा, मातृ शक्ति की जिलाध्यक्ष मीना गुप्ता, शिवांगी गुप्ता आदि उपस्थित थे।

टक्कर के बाद दो गाड़ियां दो गाडियां सीधे नाले में जा गिरीं

-गाडियों फंसे दो युवकों को सीसा तोड़कर किसी तरह बचाया गया

मथुरा। थाना हाईवे क्षेत्र के नगला चंद्रभान के समीप रात के समय हुए सडक हादसे में दो आपस में हुई टक्कर के बाद दो गाड़ियां सीधे नाले में जा गिरीं। गाड़ियों फंसे दो लोगों को किसी तरह सीसा तोडकर बाहर निकाला गया। कुछ देर का विलम्ब होने पर दोनों युवकों की जान जा सकती थी। सड़क किनारे खड़ी कार में एक अन्य गाड़ी सवार ने जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों गाड़ियां पास के गहरे नाले में जा गिरीं। हादसे के बाद वहां अफरातफरी मच गई और चीखपुकार सुनकर आसपास के लोग मौके पर दौड़ पड़े। स्थानीय लोगों ने बताया कि नाले में गिरी इको गाड़ी में दो लोग सवार थे। गाड़ी पूरी तरह से पानी में डूबने लगी थी, ऐसे में मौके पर मौजूद लोगों ने कड़ी मशक्कत कर खिड़की का शीशा तोड़ा और दोनों को सुरक्षित बाहर निकाला। गाड़ियों के नाले में गिरने से शोरगुल मच गया और घटना का वीडियो भी सामने आया है। लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। पुलिस के पहुंचने से पहले स्थानीय लोग ही बचाव कार्य में जुटे रहे। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर दोनों गाड़ियों को कब्जे में ले लिया। थाना प्रभारी शैलेन्द्र सिंह ने बताया कि गाड़ियों को सुरक्षित निकाल लिया गया है और मामले की जांच की जा रही है। इस घटना से क्षेत्र में देर रात तक सनसनी बनी रही।

बाल स्वास्थ्य परीक्षण शिविर ऊंचा गांव में आज

मथुरा। श्री राधारानी रसोई बरसाना धाम द्वारा 14 सितंबर को प्रातरू 10 बजे ऊंचागांव में स्थित ललिता सखी मंदिर पर बाल स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। शिविर में के बारे में जानकारी देते हुए राधा रानी रसोई बरसाना धाम के संचालक ब्रज सेवी हरीश चंद्र कोहली ने बताया शिविर में 10 साल तक के बच्चों का फरीदाबाद के बाल विशेषज्ञ अनुभवी चिकित्सकों द्वारा बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण किया जाएगा। स्वास्थ्य परीक्षण के साथ बच्चों को दवाएं विटामिन, फल आदि का वितरण किया जाएगा। उन्होंने स्थानीय अभिभावकों से अपील की है कि वे अपने बच्चों का स्वास्थ्य परिक्षण अवश्य करायें। बदलते मौसम के साथ बच्चों के स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखने की जरूरत है। संस्था द्वारा पूर्व में भी तीन बाल स्वास्थ्य परीक्षण शिविर ढभाला गांव स्थित नौबारी चौबारी में लगाये गए थे।

एसपी देहात के छाता थाने में सुनीं जन समस्याएं

-छह शिकायतों में से चार राजस्व विभाग से जुडी थीं

मथुरा। तहसील दिवस से लेकर थाना दिवस तक राजस्व से जुडी शिकातयों की संख्या सबसे अधिक रहती है। जनता का मानना है कि पुलिस के पास हर समस्या का समाधान है। इस लिए थाना दिवस में भी राजस्व से जुडी शिकायतों की संख्या अधिक रहती है। अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण सुरेश चंद्र रावत ने शनिवार को थाना दिवस में छाता क्षेत्र के लोगों की समस्याओं का सुना। एसपी देहात ने थाना छाता पर उपस्थित रहकर थाना समाधान दिवस की सुनवाई की गई। इस दौरान कुल छह लोगा अपनी शिकायतें लेकर थाने पहुंचे। जिनमें से दो प्रार्थना पत्रों की सुनवाई करते हुए आपसी समझौते के आधार पर समाधान करा दिया गया। शेष प्रार्थना पत्रों पर राजस्व व पुलिस की संयुक्त टीम गठित कर एक सप्ताह में निराकरण के निर्देश दिए गए हैं। थाना समाधान दिवस पर प्रभारी निरीक्षक छाता कमलेश सिंह तथा अन्य अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित थे।

नारी शक्ति संगठन ने धूमधाम से मनाया राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के सरसंघचालक पूज्यनीय डॉ. मोहन भागवत जी का 75 वां जन्मदिन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

देशभक्ति, राष्ट्रवाद और नारी सम्मान की अलख जगाने वाले नारी शक्ति संगठन ने आज ऑपरेशन सिंदूर तिरंगा चौक (पूर्व नाम पन्नू चौक) पर संगठन की अध्यक्षा एवं अंतर्राष्ट्रीय ज्योतिषाचार्य माननीया रीमा वर्मा जी के नेतृत्व में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के पूज्यनीय सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत जी का 75वां जन्मदिन भव्य रूप से मनाया।इस अवसर पर चौक पूरी तरह भगवामय हो उठा। संगठन की बहनों और राष्ट्रीय स्वयं सेवकों ने मिलकर मोहन भागवत जी के चित्र के समक्ष दीप-यज्ञ एवं पुष्प-वर्षा कर उनके स्वस्थ एवं दीर्घायु जीवन की मंगलकामना की। साथ ही गाजियाबाद के वरिष्ठ स्वयं सेवकों का विशेष रूप से सम्मान किया गया कार्यक्रम की मुख्य झलकियाँ

दीप-यज्ञ एवं पुष्प-वर्षा द्वारा जन्मदिन उत्सव।

चौक पर देशभक्ति के नारों और भगवा रंग से भरा माहौल।

गाजियाबाद के वरिष्ठ स्वयं सेवकों का सम्मान समारोह।

महिलाओं एवं गणमान्य नागरिकों की उत्साहपूर्ण भागीदारी। इस अवसर पर संगठन की सम्मानित महिलाएँ मीरा विश्वास, मीनू बोस, मिथलेश, संगीता, शैली, उमा, सुधा, इंदु, तापसी, माउ दास, आशा, अनीता, कामिनी, श्रमिष्ठा सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहीं।

राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के वरिष्ठ स्वयं सेवक गोविन्द जी, योगेंद्र पचौरी, कालीबाबू, सुबोध शर्मा, विकास नागपाल, प्रतिक, रविशंकर, सचिन, उपाध्याय जी, रावेन्द्र जी, शिव शर्मा, सुभाष पांडे, अमरेंद्र जी, विभाष जी, रमाकांत भारद्वाज जी एवं मोनू शर्मा जी ने भी अपनी गरिमामयी उपस्थिति से कार्यक्रम को ऐतिहासिक बना दिया। नारी शक्ति संगठन का संदेश नारी शक्ति संगठन ने इस अवसर पर स्पष्ट किया कि उनकी राह राष्ट्र सेवा, संस्कृति संरक्षण और नारी सम्मान की है। यह आयोजन न केवल पूज्यनीय डॉ. मोहन भागवत जी के जन्मोत्सव का उत्सव है बल्कि समाज को राष्ट्रवाद और महिला सशक्तिकरण का संदेश देने का एक अवसर भी है।

बरसाना में गेस्ट हाउस पर विद्युत विजिलेंस का छापा

-घरेलू और कमर्शियल छह किलोवाट के संयोजन पर की जा रही थी 13 किलोवाट की चोरी

मथुरा। बरसाना कस्बे में कीर्ति मंदिर के पास विद्युत विभाग की विजिलेंस टीम ने दो परिसरों पर छापे मारे। यहां करीब 13 किलोवाट की बिजली चोरी पकडी। दोनों ही परिसरों पर एक ही व्यक्ति के नाम पर विद्युत संयोजन स्वीकृत थे। प्रेम श्रोतीय पुत्र रामबाबू श्रोतीय निवासी ग्राम बरसाना निकट कीर्ति मंदिर राजकीय पशु चिकित्सालय के पास थाना बरसाना के आवासीय परिसर पर कार्यवाही के दौरान विजलेंस टीम ने 5792 किलोवाट की बिजली चोरी पकडी। इस परिसर पर उपभोक्ता का घरेले दो किलोवाट भार का विद्युत संयोजन स्वीकृत है। मीटर की इन कमिंग केबिल के अतिरिक्त काले रंग के दो तार अवैध रूप से उसी लाइन पर डलकर बिजली चोरी की जा रही थी। प्रेम श्रोतीय का यहीं श्रीजी गैस्ट हाउस है। गेस्ट हाउस पर कमर्शियल कनेक्शन चार किलोवाट का स्वीकृत है। गैस्ट हाउस में चोरी की बिजली जलाई जा रही थी। जिस विद्युत लाइन से मीटर की इनकमिंग केबिल जुड़ी है उसी लाइन से अवैधरूप से सीधे केबिल डाल कर बिजली चोरी की जा रही थी। विजिलेंस टीम ने यहां 7300 वाट की बिजली चोरी पकडी। घरेलू और कमर्शियल दोनों संयोजन प्रेम श्रोतीय के नाम पर ही स्वीकृत हैं। कार्यवाही करने वाली टीम में प्रभारी निरीक्षक प्रवर्तन दल शिवकुमार, जेई किशन कुमार सोनकर, आरक्षी हिमांशु चौधरी, मोहित, नितिश कुमार, अर्चना सिंह आदि शामिल थे।

ग्राम पंचायत कुदरी में रेत के अवैध परिवहन का मामला- सचिव ने टीआई को की रिश्वत की पेशकश

● थाना प्रभारी ने कहा- अब तो कार्रवाई होगी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

शहडोल/जयसिंहनगर। शहडोल जिले के तहसील जयसिंहनगर के अंतर्गत ग्राम पंचायत कुदरी से एक और मामला सामने आया है. ओदारी नदी से रेत के अवैध परिवहन में पंचायत सचिव हेमराज कहार का ट्रैक्टर पकड़ा गया है। सीधी थाना ने ट्रैक्टर को जब्त कर लिया और कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है. ग्राम पंचायत कुदरी वही पंचायत है, जहां कुछ दिनों पहले 2 फोटोकॉपी के लिए 4000 रुपये का भुगतान करने के मामले में चर्चा में आया था। लेकिन अब ऐसा लगता है कि ग्राम पंचायत कुदरी में भ्रष्टाचार की सारी हदें पार हो चुकी हैं। सीधी थाना प्रभारी राजकुमार मिश्रा ने बताया कि उन्होंने मुखबिर की सूचना पर पुलिस टीम ने कार्रवाई की। ट्रैक्टर जब्त होने के बाद कुदरी पंचायत के सचिव हेमराज कहार ने थाना प्रभारी को फोन किया और ट्रैक्टर छोड़ने के एवज में रिश्वत देने की पेशकश की। लेकिन थाना प्रभारी ने साफ इनकार कर दिया। उन्होंने कहा कि सचिव से हुई उनकी बातचीत की रिकॉर्डिंग हो रही है और अब वह इसे वरिष्ठ अधिकारियों और पंचायत विभाग को भेजेंगे। जब रिकॉर्डिंग की बात सामने आई, तो सचिव हेमराज कहार साफ मुकर गया और कहा कि ये उसकी आवाज नहीं है. उसने कहा कि मुझे नहीं पता कि थाना प्रभारी ने फोन पर किससे बात की। खैर, सीधी थाना प्रभारी राजकुमार मिश्रा का कहना है कि रेत के अवैध परिवहन में वह सख्त से सख्त कार्रवाई करेंगे। पकड़ा गया ट्रैक्टर हेमराज कहार की पत्नी के नाम पर है, जिसे उसका बेटा सुरेश चलाता है।

क्राइम ब्रांच की टीम ने एक आरोपी को हथियार के साथ गिरफ्तार किया

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

स्वतंत्र सिंह भुल्लर

नई दिल्ली: अवैध हथियारों के खिलाफ अपने सतत अभियान को जारी रखते हुए, दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा (एनआर-1) ने एक आरोपी आकाश पुत्र परमेश्वरी दयाल, निवासी सेक्टर-11, रोहिणी, दिल्ली, उम्र- 21 वर्ष को गिरफ्तार किया है और उसके कब्जे से एक अत्याधुनिक पिस्तौल और 2 जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। इस त्वरित कार्रवाई ने शहर में एक संभावित आपराधिक घटना को टलने में मदद की है। 9 सितंबर को, सिपाही विवेक राणा द्वारा प्राप्त गुप्त सूचना के आधार पर, जिसे निरीक्षक संजय कौशिक के नेतृत्व वाली टीम ने और विकसित किया, गंदा नाला, केएनके मार्ग, सेक्टर-11, रोहिणी, दिल्ली के पास छापा मारा गया।उप निरीक्षक नरेंद्र सिंह, सहायक उप निरीक्षक हुकम चंद, सहायक उप निरीक्षक वीरेंद्र सिंह, सहायक उप निरीक्षक रमेश राणा, प्रधान सिपाही संजीव कुमार, प्रधान सिपाही धारा सिंह और सिपाही विवेक राणा सहित एक छापा मारने वाला दल श्री अशोक कुमार शर्मा, सहायक आयुक्त पुलिस/एनआर-1 के निकट पर्यवेक्षण में, श्री हर्ष इंदौरा, भा.पु.से., उपायुक्त पुलिस/अपराध शाखा के समग्र पर्यवेक्षण में गठित किया गया। छापेमारी के दौरान, आरोपी को गंदा नाला, सेक्टर-11, रोहिणी, दिल्ली के पास से गिरफ्तार किया गया। आरोपी अपने माता-पिता के साथ रहता है; उसके पिता रिक्शा चलाते हैं। उसने बी.ए. प्रथम वर्ष तक पढ़ाई की, लेकिन रुचि न होने के कारण 2017 में पढ़ाई छोड़ दी। वह अविवाहित है और उसकी एक बड़ी बहन निजी क्षेत्र में कार्यरत है।खराब आर्थिक स्थिति और बुरी संगत के कारण, वह आपराधिक गतिविधियों में शामिल हो गया। 2024 में, उसने अपने साथी राहुल यादव के साथ मिलकर पीतमपुरा टीवी टावर के पास 25 लाख रुपये की डकैती की, जिसमें उसके हिस्से से ?3,00,000/- बरामद हुए। जेल से रिहा होने के बाद, वह फिर से आपराधिक गतिविधियों में लिप्त हो गया। दो महीने पहले, उसने शाहाबाद निवासी अपने साथी लल्ला के माध्यम से अयोध्या (उत्तर प्रदेश) के पास एक गाँव के निवासी सत्यम उर्फ सौरव से 58,000/- में एक अत्याधुनिक पिस्तौल और 10 ज़िंदा कारतूस खरीदे। बरामद हथियार के साथ पकड़े जाने पर वह एक और अपराध करने की योजना बना रहा था। उसके अन्य साथियों और हथियार के स्रोत का पता लगाने के प्रयास जारी हैं। दिल्ली पुलिस अपराध शाखा राष्ट्रीय राजधानी में अवैध आग्नेयास्त्रों के खतरे को रोकने और शांति एवं सुरक्षा बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है। अवैध हथियारों की खरीद, कब्जे और उपयोग में शामिल व्यक्तियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। यह तमाम जानकारियां हर्ष इंदौरा, पुलिस उपायुक्त अपराध शाखा, दिल्ली ने अपनी एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में यह तमाम जानकारी दी है।

मथुरा में शातिर चोर गिरफ्तार

-4 सोने की चूड़ियां, 14 बिछुए समेत कई आभूषण बरामद, आरोपी का है आपराधिक रिकॉर्ड

मथुरा। थाना सुरीर पुलिस ने एक शातिर चोर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर खैर अलीगढ़ रोड से आरोपी को पकड़ा। आरोपी की पहचान मानवेन्द्र उर्फ बड्डू के रूप में हुई है। वह राजागढ़ी थाना सुरीर का रहने वाला है। 23-24 जून की रात को आरोपी ने ग्राम इरौली जुन्नारदार में एक घर से चोरी की थी। पीड़ित गिरीश कुमार की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज किया। सीसीटीवी फुटेज और सर्विलांस की मदद से पुलिस ने आरोपी को पकड़ा। आरोपी से बरामद सामान में 4 सोने की चूड़ियां, एक सोने का टीका, एक बिंदी, एक अंगूठी और एक नथुनी शामिल हैं। इसके अलावा एक चांदी का पैंडल, 14 बिछुए, 2 चांदी के सिक्के, एक कमर कौंधनी और एक कमर गुच्छा भी मिले हैं। पुलिस को 2 नथ, 1 दीपक, 6 पाजेब, 2 रेशम पट्टी, 710 रुपए नकद और एक जोड़ी काले रंग के दस्ताने भी मिले। पुलिस के मुताबिक 25 वर्षीय आरोपी के खिलाफ थाना मांट और थाना सुरीर में पहले से कई मुकदमे दर्ज हैं। आरोपी को न्यायालय में पेश कर दिया गया है।

सिलापथार में 10वां राष्ट्रीय आयुर्वेदिक दिवस के उपलक्ष में निःशुल्क चिकित्सा शिविर आयोजित

● दो सौ से अधिक मरीजों ने लिया मुफ़्त स्वास्थ्य सेवा।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

धेमाजी असम। अगले 23 सितंबर को राष्ट्रीय आयुर्वेदिक दिवस के अवसर पर धेमाजी जिले में कई स्थानों पर आयुर्वेदिक चिकित्सा संघ (ए,एम,ओ) ने निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन कर रहा है। कार्यक्रम के अनुसार आज जिले की वाणिज्य नगर सिलापथार सार्वजनिक कालीबाड़ी मंदिर परिसर में निष्कु और मंदिर प्रबंधन समिति के सहयोग से निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिला स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय के तरफ़ से दवा और राष्ट्रीय मोबाइल मेडिकल यूनिट की सुविधाएं उपलब्ध कराई। विभिन्न निजी प्रतिष्ठानों ने शिविर में निःशुल्क वितरण के लिए दवाइयाँ उपलब्ध कराई डॉ. संदीपन दास ने मीडिया को बताया कि जिले के विभिन्न विभागों के सात डॉक्टरों ने आज चिकित्सा सेवाएँ प्रदान कीं। उन्होंने लोगों से किसी भी आयुर्वेदिक दवा का सेवन करने से पहले अपने डॉक्टर से परामर्श करने का भी आग्रह किया।

ठा. बांकेबिहारी मंदिर में हर सेवायत ने अपने साथ लगा रखे हैं 10 से 15 सेवाकार, कर रहे अवैध वसूली

●-मंदिर हाई पावर्ड मैनेजमेंट कमेटी ने दिये ऐसे सभी सेवकों को तत्काल हटाने के निर्देश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मथुरा। ठाकुर श्री बांके बिहारी जी मन्दिर हाई पावर्ड मैनेजमेंट कमेटी वृन्दावन, मथुरा की बैठक श्री बांके बिहारी जी मंदिर परिसर, प्रांगण में सम्पन्न हुई। बैठक में अध्यक्ष न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) उच्च न्यायालय इलाहाबाद अशोक कुमार, सदस्य जिला एवं सत्र न्यायाधीश (सेवानिवृत्त) मुकेश मिश्रा, सदस्य जिला एवं सत्र न्यायाधीश मथुरा विकास कुमार, सदस्य सचिव जिला मजिस्ट्रेट कलेक्टर मथुरा चन्द्र प्रकाश सिंह, सदस्य (गोस्वामी राजभोग समूह) शैलेन्द्र गोस्वामी पुत्र ब्रजनाथ गोस्वामी, सदस्य (गोस्वामी राजभोग समूह) श्रीवर्धन गोस्वामी पुत्र जुगल किशोर गोस्वामी तथा सदस्य (गोस्वामी शयन भोग समूह) दिनेश कुमार गोस्वामी पुत्र बिहारीलाल गोस्वामी उपस्थित रहें। बैठक में अध्यक्ष अशोक कुमार ने अवगत कराया कि कमेटी द्वारा मंदिर के आस पास विभिन्न गलियों का निरीक्षण किया गया, कई प्वाइंटों को चेक किया गया तथा कई कमियों को इंगित करते हुए कार्य योजना बनाने के निर्देश दिए है। उन्होंने कहा कि मंदिर के प्रवेश के लिए 2 द्वार है। गेट नंबर 2 एवं गेट नंबर 3 से श्रद्धालु प्रवेश करते है।

दोनों गेट का स्थलीय निरीक्षण किया गया तथा निर्णय लिया गया कि प्रवेश द्वारों में 3, 3 लाइन बनाई जाएंगे, तीनों लाइनों में रेलिंग लगाते हुए मंदिर में प्रवेश होगा और उसके बाद उसी रेलिंग के अंदर से श्रद्धालु दर्शन करते हुए मंदिर से निकास की ओर चले जाएंगे। इस प्रकार एंट्री के लिए कुल 6 लाइन हो जाएंगी और उसी के माध्यम से श्रद्धालु दर्शन करते हुए मंदिर से बाहर निकल जाएंगे। अध्यक्ष ने मीडिया के माध्यम से श्रद्धालुओं से अनुरोध किया कि वे दर्शन करते हुए शीघ्र आगे बढ़ते रहे और अपने पीछे वालों को भी दर्शन करने का लाभ उठाने दे। श्रद्धालु दर्शन करते रहे और आगे बढ़ते रहे। उन्होंने कहा कि मंदिर परिसर प्रांगण में ऊपर से दर्शन करने के लिए दो रिजर्व्ड एरिया बने हुए है, जहां एक ओर महिलाओं हेतु रिजर्व्ड है तथा दूसरी ओर पुरुषों हेतु रिजर्व्ड है। उन्होंने निर्देश दिए कि उक्त व्यवस्था का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित हो। महिलाओं में सिर्फ महिलाएं तथा पुरुषों में सर्फ पुरुष होने चाहिए। मंदिर प्रबंधन एवं पुलिस प्रशासन उक्त व्यवस्था का सख्ती से पालन सुनिश्चित कराए। उन्होंने अवगत कराया कि मंदिर के विभिन्न गोस्वामियों, सेवायतों द्वारा अपने साथ 10 से 15 अन्य व्यक्तियों (सेवकों) को लगाया गया है। ये सेवक श्रद्धालुओं एवं दर्शनार्थियों से अवैधानिक रूप से पैसा लेते है और व्यवधान भी करते है। उसपर पूरी तरह से पाबंदी लगेगी। सभी गोस्वामियों सेवायतों को बताना होगा कि उनके साथ कौन एक या दो सेवक काम कर रहे है। उक्त का अनुपालन 2 से 3 दिनों में सुनिश्चित किया जाएगा। अध्यक्ष ने अवगत कराया कि श्री बांके बिहारी जी मंदिर में दर्शन हेतु वीआईपी पर्ची की व्यवस्था को खत्म, बंद किया गया है। वीआईपी प्रोटोकॉल को बंद नहीं किया गया है।

सरवारी मराठा टोला में बाबा साहब अंबेडकर स्थल पर अतिक्रमण!

● ग्रामीणों ने उठाई आवाज- "शासन करे कार्रवाई, लौटाई जाए 2.5 एकड़ शासकीय भूमि"

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

शहडोल- ग्राम पंचायत सरवरी मराठा टोला में संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर स्थल की 2.5 एकड़ शासकीय भूमि पर अतिक्रमण का मामला तूल पकड़ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि पंचायत ने वर्ष 2014-15 में इस भूमि को अंबेडकर स्थल के लिए अनुमोदित कराया था, लेकिन आज 70% भूमि पर कुछ लोगों ने कब्जा कर लिया है।

नामांतरण नहीं, फिर भी बाउंड्री निर्माण!

ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि सरपंच व सचिव द्वारा बिना नामांतरण, बिना स्वीकृत नक्शा और एस्टीमेट के ही सरकारी राशि से बाउंड्री वॉल बनवाई जा रही है। ईंट, गिट्टी, रेत और सीमेंट की खरीदी में पारदर्शिता नहीं बरती जा रही और सरकारी खजाने को बंदरबांट की तरह खर्च किया जा रहा है।

70% जमीन पर जबरन कब्जा- स्थानीय लोगों का आरोप है कि रुद्रू पिता लक्षु अहिरवार, रामसुफल पिता भोला उर्फ गोगा और भैया लाल बैगा ने उक्त भूमि के बड़े हिस्से पर जबरन कब्जा कर लिया है। ग्रामीण बताते हैं कि–

> "बाबा साहब के नाम से आवंटित भूमि पर कब्जा किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। यह स्थल हमारी आस्था और सम्मान से जुड़ा है।"

शिकायतें हुई, कार्रवाई नहीं- इस मामले की शिकायत जून 2021 में तहसीलदार जैसीनगर, एसडीएम जैसीनगर और कलेक्टर शहडोल से की गई थी। इसके बाद 23 जून 2025 को भीम आर्मी संगठन ने भी ज्ञापन सौंपकर अतिक्रमण हटाने की मांग की थी, लेकिन आज तक कोई कार्रवाई नहीं हुई।

ग्रामीणों की मांग

ग्रामवासियों ने सामूहिक रूप से अपील की है कि– शासकीय भूमि का नामांतरण कर सीमांकन कराया जाए।

अतिक्रमण तत्काल हटाया जाए। बाउंड्रीवॉल का निर्माण सही नक्शे और प्रक्रिया के तहत कराया जाए। ग्रामीणों का कहना है कि यदि शासन-प्रशासन ने शीघ्र कदम नहीं उठाए तो वे बड़े आंदोलन की राह पर चलने को मजबूर होंगे।

राजधानी में आईएपीएमआर मध्यावधि सीएमई 2025 का शुभारंभ, देश विदेश से आए लगभग 40 विशेषज्ञों ने दिए व्याख्यान

●दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्देश्य - पुनर्वास चिकित्सा के क्षेत्र में व्यावसायिक प्रशिक्षण और अद्यतन जानकारी को सुलभ बनान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

स्वतंत्र सिंह भुल्लर

नई दिल्ली – भारत में विकलांगता न केवल व्यक्तिगत या पारिवारिक चुनौती है, बल्कि यह राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्रणाली के लिए भी एक गंभीर विषय बनकर उभरी है। जहां एक ओर विकलांग बच्चों की संख्या में वृद्धि चिंताजनक है, वहीं दूसरी ओर बुजुर्गों को गतिशीलता से जुड़ी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। इन दोनों आयुवर्गों के लिए पुनर्वास चिकित्सा अब पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक और आवश्यक बन चुकी है इन्हीं चिंताओं को केंद्र में रखते हुए राजधानी में आईएपीएमआर मध्यावधि सीएमई 2025 का शुभारंभ किया गया, जिसका उद्घाटन भारत सरकार की स्वास्थ्य सेवाओं की महानिदेशक डॉ. सुनीता शर्मा और सशस्त्र बल चिकित्सा सेवाओं की निदेशक सर्जन, वाइस एडमिरल आरती सरीन (एवीएसएम, वीएसएम) द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। दो दिवसीय इस राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्देश्य है पुनर्वास चिकित्सा के क्षेत्र में व्यावसायिक प्रशिक्षण और अद्यतन जानकारी को सुलभ बनाना।

इस वर्ष सम्मेलन की थीम रही- "पहले कदम से स्वर्णिम वर्षों तक- जीवन भर पुनर्वास को आगे बढ़ाना", जो जीवन के हर चरण में पुनर्वास की भूमिका और आवश्यकता को रेखांकित करता है। कार्यक्रम में देश विदेश से आए लगभग 40 विशेषज्ञों ने व्याख्यान दिए और चिकित्सकों को व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया पूर्व महानिदेशक डॉ. आर.के. श्रीवास्तव और डॉ. एस.वाई. कोठारी ने अपने विचार साझा करते हुए इस बात पर बल दिया कि भारत को पुनर्वास सेवाओं में सुदृढ़ आधारभूत संरचना और मानव संसाधन की आवश्यकता है। उन्होंने इस बात की सराहना की कि अब राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (NMC) और राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड (NBE) द्वारा पीएमआर (Physical Medicine & Rehabilitation) को एमडी स्तरीय प्रशिक्षण में मान्यता मिल चुकी है और स्नातक स्तर पर भी इसे चिकित्सा पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाया जा रहा है। कार्यक्रम के आयोजन सचिव डॉ. अजय गुप्ता ने नीति निर्माताओं के सतत सहयोग का आभार जताते हुए कहा, "तकनीकी विकास और जन अपेक्षाओं के साथ तालमेल बिठाने के लिए चिकित्सकों का कौशल विकास अत्यावश्यक है। एनसीआर के सभी प्रमुख संस्थानों में इस दिशा में प्रयास किए जा रहे हैं इस सम्मेलन को अंतरराष्ट्रीय दृष्टिकोण भी प्राप्त हुआ जब ऑस्ट्रेलिया और न्यूज़ीलैंड की पुनर्वास चिकित्सा सोसायटी के अध्यक्ष डॉ. स्टीवन फॉक्स ने स्ट्रोक पुनर्वास और दर्द प्रबंधन में वैश्विक प्रगति को रेखांकित किया आईएपीएमआर के अध्यक्ष डॉ. मुरलीधरन पी.सी. ने अपने संबोधन में कहा कि, ÷पीएमआर अब एक सशक्त और प्रतिस्पर्धी विशेषज्ञता के रूप में उभरा है, जो न केवल दिव्यांगजनों को कार्यात्मक स्वतंत्रता दिलाने में सहायक है, बल्कि उनके अधिकारों की प्रभावी वकालत भी करता है।" उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि संसाधनों की सीमाओं के बावजूद इस क्षेत्र ने उल्लेखनीय प्रगति की है।

देशभर में मात्र 1,000 प्रशिक्षित पीएमआर विशेषज्ञ होने के बावजूद, यह क्षेत्र राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति के तहत एक आवश्यक स्तंभ के रूप में अपनी स्थिति सुदृढ़ कर चुका है। यह न केवल चिकित्सा विज्ञान की आवश्यकता है, बल्कि एक सामाजिक दायित्व भी बन चुका है, एक ऐसा सेतु जो बचपन की जटिलताओं से लेकर बुजुर्गावस्था की चुनौतियों तक, हर चरण में जीवन को फिर से गतिशील बनाने का कार्य कर रहा है।

सड़क किनारे खड़े वाहन बन रहे हादसों की वजह

●-हाईवे किनारे खड़े ट्रक में जा घुसी तेज रफ्तार कार

-हादसे में कार सवार दो युवकों की मौत, तीसरे की हालत गंभीर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मथुरा। सड़क किनारे अवैध रूप से खड़े रहने वाले वाहन सड़क हादसों की वजह बन रहे हैं। बीती देर रात सडक किनारे खडे ट्रक में एक तेज रफ्तार कार जा घुसी। कार में सवार दो लोगों की मौत हो गई जबकि तीसरा युवक गंभीर रूप से घायल हुआ है। तीनों युवक एक कार में सवार थे और दिल्ली से लौट रहे थे। चौमुहां में एनएच 19 पर अनंतम सिटी के सामने यह हादसा हुआ। हादसा रात करीब 10.50 बजे हुआ। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार का अगला हिस्सा पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे की सूचना मिलते ही पीआरवी और पुलिस टीम मौके पर पहुंची। दोनों मृतकों के शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए जिला मोर्चरी में रखवा दिया गया है और उनके परिजनों को सूचित कर दिया गया है। पुलिस अनुसार दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को जब्त कर थाने में खड़ा कर दिया है। कानूनी कार्रवाई की जा रही है। यहां एक ट्रक सडक किनारे खडा था वहीं तेज रफ्तार में आ रही कार खड़े ट्रक में जा घुसी। पुलिस के अनुसार कार में तीन लोग सवार थे। मृतकों की पहचान 32 वर्षीय श्रवण अवस्थी (निवासी पन्नर, औरैया) और शुभम मिश्रा (निवासी दिल्ली) के रूप में हुई है। वहीं, 28 वर्षीय शिवम पांडेय (निवासी मधुपुर, अयोध्या) गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें तत्काल सिटी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बताया गया है कि तीनों युवक दिल्ली में शिवम पांडेय की बहन को छोड़ने के बाद वापस अपने घर लौट रहे थे।